mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-279 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
08 अक्टूबर 2024 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर
सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

प्रीति जिंटा का 16...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सा के नोबेल का एलान

माइक्रो आरएनए की खोज के लिए विक्टर एंब्रोस-गैरी रुवकुन को चुना गया

स्टॉकहोम (एजेंसी)। वर्ष 2024 के लिए चिकित्सा के नोबेल पुरस्कार का ऐलान हो गया है। इस साल चिकित्सा में नोबेल पुरस्कार विक्टर एम्ब्रोस और गैरी रुवकुन को दिया गया। इसका ऐलान स्टॉकहोम में कारोलिंस्का

इंस्टीट्यूट में नोबेल असेंबली ने किया। इस साल चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार माइक्रोआरएनए की खोज और ट्रांसक्रिप्शन के बाद जीन एक्प्रेशन को रेगुलेट करने में उनकी भूमिका के लिए दिया गया। नोबेल असेंबली ने कहा कि उनकी खोज 'जीवों के विकास और कार्य करने के तरीके के लिए मौलिक रूप से महत्वपूर्ण साबित हो रही है।'

चुनाव से पहले दिल्ली की सड़कें ठीक होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी). दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की सड़कें जल्द ही ठीक होंगी। मैंने सड़कों की मरम्मत के लिए सीएम आतिशी को लेटर

लिखा है। मुझे खुशी है कि हमारे विधायकों और नेताओं ने शहर की सभी सड़कों का निरीक्षण किया। केजरीवाल की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतिशी भी बगल में बैठी दिखीं। उन्होंने कहा- हमें केजरीवाल का लेटर मिला। इसके तुरंत बाद पीडब्ल्यूडी ने सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया।

भारत की सुरक्षा को नुकसान नहीं पहुंचने देंगे: राष्ट्रपति मुइज्जू

● **'हमारे संबंध सदियों पुराने हैं', मालदीव की तारीफ में बोले पीएम मोदी**

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि उनके देश की 'मालदीव फर्स्ट' की नीति से भारत के संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मालदीव कभी भी ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे भारत की सुरक्षा को नुकसान पहुंचे। मीडिया को दिए गए एक इंटरव्यू में मुइज्जू ने ये भी कहा कि दूसरे देशों के साथ मालदीव के संबंधों का भारत के साथ रिश्ते पर असर नहीं पड़ेगा।

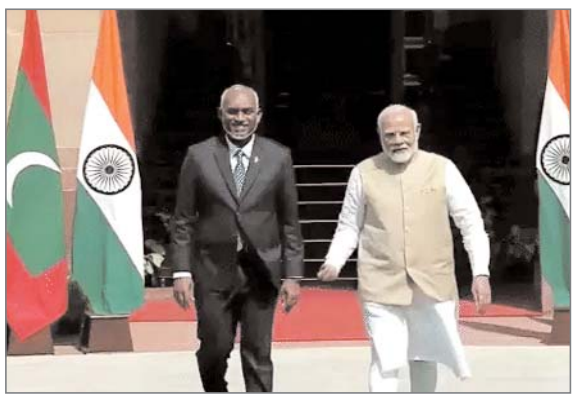

मुइज्जू ने कहा कि मालदीव, भारत के साथ रणनीतिक संबंध बनाना जारी रखेगा क्योंकि भारत एक अहम साझेदार और दोस्त है। उन्होंने कहा कि मालदीव क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए भारत के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। मुइज्जू ने हैदराबाद हाउस में पीएम मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी और मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू इंटरनेशनल एयरपोर्ट के रनवे का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन किया। इस दौरान मुइज्जू ने पीएम मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण भी दिया।

मोदी बोले-

भारत ने हमेशा मालदीव के लोगों की परवाह की- दोनों देशों के नेताओं की मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ट मित्र देश है। हमारी नेबरहुड पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का अहम स्थान है।

राष्ट्रपति भवन में मुइज्जू का स्वागत - राष्ट्रपति मुइज्जू का सोमवार को राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पहले मालदीव के राष्ट्रपति रविवार शाम को भारतीय रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के प्लेन से नई दिल्ली पहुंचे थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में उनका स्वागत किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी भी मौजूद थे। इसके बाद मुइज्जू राजघाट स्थित महात्मा गांधी की समाधि पर गए और श्रद्धांजलि अर्पित की।

शारदीय नवरात्र-भक्ति की परिकाष्ठा

नौ दिन बिना अन्न-जल... किल की खाट पर सोना

कोरबा(छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। नवरात्र में देवी मां की आस्था में लोग पूजा अनुष्ठान विधान पूर्वक तो करते ही हैं, कुछ लोग एकदम अलग तरीका अपनाकर लोगों को आश्चर्य में भी डाल देते हैं। ऐसी ही आस्था के साथ हरदी बाजार के ग्राम नेवसा निवासी छोटेलाल चौहान की पत्नी ईश्वरी चौहान देवी मां की सेवा में जुटी हैं। उन्होंने नवरात्र में नुकीले कील से बनी खाट पर लेटकर देवी मां की साधना कर रही है। उनकी इस तरह की साधना का यह दूसरा प्रयास है। यह उनकी भक्ति की पराकाष्ठा है।

ईश्वरी चौहान का कहना है कि उन्हें माता रानी ने सपना में ऐसा करने का संकेत दिया था। वे कील की खाट पर लेटकर ज्योत, जवारा जलाकर सेवा में कर रही हैं, जहां परिवार के साथ गांव के

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले भाजपा को झटका

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। इस बीच भाजपा को एक झटका लगा है जहां एक पूर्व मंत्री पार्टी का दामन छोड़ शरद पवार के

गुट वाली एनसीपी में शामिल हो गए। उन्हें शरद पवार की मौजूदगी में पार्टी में शामिल कराया गया। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि उनका आना एक शुभ संकते है चुनाव घोषित होते ही और भी लोग आएंगे।

बिहार की नीतीश कुमार सरकार को गिराने के लिए हवाला डील

पटना (एजेंसी)। बिहार की नीतीश कुमार सरकार को विश्वास मत हासिल करने से रोकने के लिए हॉर्स ट्रेडिंग की गई थी। सत्ताधारी दल के विधायकों को हवाला के जरिए एडवांस पैसे भेजे गए थे। अगर नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार विश्वास मत हासिल करने में हार जाती तो विधायकों को मोटी रकम अदा की जाती। यह खुलासा आर्थिक अपराध इकाई की जांच में हुआ है।

लोर टेस्ट का प्लान ईओयू ने पकड़ा

पटना के कोतवाली थाने में दर्ज एक प्राथमिकी में पैसों के लेन-देन से जुड़ी जांच के दौरान आर्थिक अपराध इकाई को हैरान करने वाले सबूत मिले हैं। ईओयू ने अपनी जांच रिपोर्ट प्रवर्तन निदेशालय को सौंप दी है।

28 जनवरी से 12 फरवरी के बीच डील

अब तक की जांच में यह खुलासा भी हुआ है कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों को हवाला के जरिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश और झारखंड के साथ ही नेपाल से भी पैसे भेजे जा रहे थे। आर्थिक अपराध इकाई ने अवैध लेनदेन से जुड़े साक्ष्य भी ईडी को सौंप दिए हैं।

'संजय रॉय ने ही किया कोलकाता डॉक्टर का रेप और मर्डर' :सीबीआई

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता का आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामला खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। सीबीआई इस केस को लेकर हर पहलू की जांच में जुटी है। अब इस मामले में सीबीआई ने आज सियालदह कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस केस में पहले से ही हिरासत में लिए गए आरोपी संजय रॉय को ही सीबीआई ने मुख्य आरोपी बताया है।

रायबरेली में ट्रैक पर मिट्टी डालकर भागा डंपर का ड्राइवर

ट्रेन के लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाए, 52 दिन में छठी घटना

रायबरेली (एजेंसी)। यूपी में एक बार फिर ट्रेन को बेपटरी करने की साजिश की गई। रायबरेली में डंपर के ड्राइवर ने रेलवे ट्रैक पर मिट्टी डाल दी। शुक्र था कि लोको पायलट की नजर उस पर पड़ गई। उसने इमरजेंसी ब्रेक लगाया। 20 फीट पहले ट्रेन (04251) रोक दी। लोको पायलट संजीव कुमार और को-पायलट सौरभ सिंह ने ट्रैक से मिट्टी हटाई और धीमी गति से ट्रेन को आगे बढ़ाकर स्टेशन पर सुरक्षित पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे की टीम मौके पर पहुंच गई और जांच-पड़ताल की।

वायु सेना का एयर शो देखना पांच परिवार के लिए बना काल.. 5 की मौत

मंत्री बोले- गर्मी से जान गई

● **विपक्ष बोला- लोग 10 किमी पैदल चले, पानी नहीं था, सीएम की सेवा हो रही थी**

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई के मरीना बीच पर रविवार को वायुसेना के एयर शो के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई थी। तमिलनाडु में इन मौतों को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर सुब्रमण्यन ने कहा कि, 15 लाख लोगों की भीड़ थी, गर्मी ज्यादा थी इसलिए 5 लोगों की मौत हुई। एयर फोर्स ने जितनी फैसिलिटी मांगी, उससे ज्यादा मुहैया कराई गई थीं। पीड़ित परिवारों को 5-5 लाख आर्थिक सहायता की घोषणा की।

नक्सलवाद के खात्मे को लेकर बैठक

इस साल छत्तीसगढ़ में 194 नक्सली मारे गए; युवाओं से हथियार छोड़ने की अपील की: अमित शाह

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में नक्सलवाद के खात्मे को लेकर बैठक की। विज्ञान भवन में हुई बैठक में इसमें नक्सल प्रभावित 8 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।शाह ने नक्सलवाद खत्म करने की कोशिशों को लेकर छत्तीसगढ़ की तारीफ की। उन्होंने बताया कि जनवरी से अब तक छत्तीसगढ़ में 194 नक्सली मारे गए हैं, 801 को गिरफ्तार किया गया है और 742 ने सरेंडर किया है।बैठक में शाह ने नक्सली युवाओं से अपील की कि वे हथियार छोड़कर मुख्य धारा में आएं। उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर के 13 हजार युवाओं का उदाहरण दिया, जिन्होंने नक्सलवाद छोड़ा है।छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बैठक में मौजूद रहे।

गुजरात में सड़क हादसे में 3 की मौत, 54 जख्मी

अंबाजी (गुजरात) (एजेंसी)। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी में सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 54 से ज्यादा घायल हो गए। 5-6 लोगों की हालत गंभीर है। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। हादसा अंबाजी के त्रिशूलिया घाट पर उस वक्त हुआ, जब बस अनियंत्रित होकर घाटी की रेलिंग से टकरा कर पलट गई।

बीरभूम की कोयला खदान में बड़ा धमाका, 7 मजदूरों की मौत; कई घायल

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित एक कोयला खदान में हुए एक भीषण धमाके के कारण 7 लोगों की मौत हो गई है। इस घटना के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है ।

राहुल ने दलित परिवार के साथ बनाया खाना

वीडियो साझा कर बोले- हम उस संविधान की रक्षा करेंगे, जो उनके अधिकार देता है

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक वीडियो साझा किया। इसमें वह दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अजय तुकाराम सनाडे और उनकी पत्नी अंजना तुकाराम सनाडे के साथ भोजन बनाते हुए दिखे। उन्हें दंपती के साथ पारंपरिक व्यंजन बनाते और 'दलित व्यंजनों' के बारे में अधिक सीखते हुए दिखाया गया है। गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस उस संविधान की रक्षा करेगी, जो बहुजनों को उनका अधिकार देता है। साथ ही कहा कि मगर समाज में सभी का सच्चा समावेश और बराबरी तभी संभव होगी, जब हर भारतीय अपने दिलों में भाईचारे की भावना के साथ कोशिश करेगा।

आज बहुत कम लोग जानते हैं... कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसा शाहू पटोले जी ने कहा कि दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता। वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनाडे और अंजना तुकाराम सनाडे के साथ एक दोपहर बिताई।

राहुल ने कहा हमने मिलकर चने के साग की सब्जी 'हरभऱ्याची भाजी' और बैंगन के साथ तुवर दाल बनाई।

अंतरिक्ष में कामयाबी की तरफ बढ़ रहे भारत के कदम

● **इसरो का नया मिशन 4.0 इसीलिए खास**

बेंगलुरु (एजेंसी)। इसरो ने अंतरिक्ष विभाग में स्वच्छता को बढ़ावा देने और पुराने कामों को निपटाने के लिए विशेष अभियान 4.0 शुरू किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने स्वच्छता में सुधार और लंबित कार्यों को निपटाने के उद्देश्य से एक बड़ी सरकारी पहल के हिस्से के रूप में अपना विशेष अभियान 4.0 शुरू किया है।

यह अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2024 तक चलेगा और

इसमें ऑटोनॉमस बॉडी और सार्वजनिक क्षेत्र के डिपार्टमेंट (पीएसई) सहित अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) के तहत सभी कार्यालय शामिल थे।

2 अक्टूबर से 31 तक चलेगा कैंपेन

इसरो ने सोमवार को एक ट्वीट के माध्यम से कहा, बेंगलुरु में इसरो मुख्यालय ने प्रभावशाली गतिविधियों के साथ स्श्चद्गष्द्बड्डद्यष्टड्डद्वश्चड्डद्बद्दठ्ठ4 की शुरुआत की! अब, 2 से 31 अक्टूबर 2024 तक, अंतरिक्ष विभाग,ऑटोनॉमस बॉडी और क्क्रस्श्वह्य सहित इसके कार्यालय, विशेष अभियान के लिए तैयारी कर रहे हैं।

यह है अगला मिशन?

4.0. स्वच्छता बढ़ाने और लंबित संदर्भों को निपटाने पर केंद्रित, यह अभियान प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग 'डीएआरपीजी' के दिशानिर्देशों के अनुरूप पिछले 3 सालों की मेहनत को दर्शाता है। कार्यों को और बेहतर बनाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और अभियान की योजना बनाने और कार्यान्वयन के लिए हर स्तर पर बैठकें आयोजित की गई हैं। अभियान के दौरान सारा काम प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करेगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना से 12.30 लाख हितग्राही हुए लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में पिछले 4 वर्षों में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर निरंतर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता आया है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में बेहतर प्रदर्शन के लिये मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर 11 पुरस्कार तथा प्रदेश स्तर पर 44 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। योजना में अब तक शहरी क्षेत्र के 12 लाख 30 हजार हितग्राहियों को 1769 करोड़ 16 लाख रूपये का ऋण स्व-रोजगार के लिये उपलब्ध कराया गया है। योजना में मध्यप्रदेश में 4 लाख 89 हजार पथ विक्रेता सफलतापूर्वक डिजिटल लेन-देन कर रहे हैं, जिसमें उन्हें 21 करोड़ रूपये का कैशबैक भी प्राप्त हुआ है। प्रधानमंत्री स्व-निधि योजना में शहरी क्षेत्रों में रेहड़ी पटरी वाले, हाथ ठेला वालों के रोजगार को मजबूती देने के उद्देश्य से शुरू की गई, जिसमें छोटे स्तर पर अपना काम-धंधा करने वाले हितग्राहियों को 10, 20 और 50 हजार रूपये की कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराकर उन्हें आत्म-निर्भर बनाना है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग की इस योजना में कोरोना काल के दौरान पूर्व में असंगठित क्षेत्र के पंजीकृत पथ विक्रेताओं को राज्य सरकार की ओर से एक-एक हजार रूपये की अनुदान राशि भी उपलब्ध कराई गई थी। प्रदेश में स्व-निधि से समृद्धि योजना अंतर्गत प्रदेश के 16 लाख 17 हजार से अधिक पंजीकृत पथ विक्रेताओं और परिवार के सदस्यों को सरकार की अन्य योजनाओं का लाभ भी दिलाया गया है। इनमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जनधन योजना, भवन और अन्य निर्माण श्रमिक, प्रधानमंत्री श्रम योगी मान धन योजना, एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड योजना, जननी सुरक्षा और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का लाभ प्रदाय किया गया है।

एमपी किसान पोर्टल पर किसान ऑनलाइन पंजीयन करायें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कृषि विभाग की विभिन्न योजना अंतर्गत बीज,सिंचाई यंत्र एवं आदान सामग्री का लाभ लेने के लिए जिले के कृषक किसान पोर्टल एमपी किसान पर ऑनलाइन पंजीयन करायें। पंजीयन के लिए बेब ब्राउजर पर वेबसाइट के माध्यम से स्वंय या नजदीकी एमपीऑनलाइन पर जाकर आवेदन करें। जिले के किसान भाई, कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए वेब ब्राउजर पर जाकर यूआरएल के माध्यम से कृषक भाई स्वंय ही पंजीयन कर सकते हैं। किसान पोर्टल पर जाने के लिये दिए गए यूआरएल वेब ब्राउजर पर अंकित करें। कृषि योजना मे पंजीयन करने के लिये कृषि योजना के लिये पंजीयन पर क्लिक करें। कृषि योजना के लिये पंजीयन करे, लिंक पर क्लिक करने बाद नए टैब मे पंजीयन पेज ओपन हो जाता है तथा पंजीयन के लिए जरूरी दस्तावेज जो संलग्न होने की जानकारी दी जाती है जैसे कृषक का आधार कार्ड, कृषक की भूमि से सम्बंधित जानकारी, कृषक की समग्र आई.डी, कृषक का जाति प्रमाण - पत्र यदि आवेदक अनु.जाति,अनु.जनजाति का हो तो जानकारी ध्यान पूर्वक पढ़े और आगे बढ़े बटन पर क्लिक करने के बाद, किसान पंजीयन फार्म प्रदर्शित हो जाता है जहां दो ऑप्शन प्रदर्शित होते है। आधार नंबर द्वारा पंजीयन अथवा भू-अभिलेख द्वारा पंजीयन करें आप्शन में से किसी एक ऑप्शन के माध्यम से अपना पंजीयन कर सकते हैं। अथवा नजदीकी एमपी ऑनलाईन पर जाकर भी अपना पंजीयन, आवेदन करा सकते है। इस वर्ष कृषि विभाग के ऑनलाईन पोर्टल एमपी किसान पर अपने आवेदन का पंजीयन उपरान्त ही कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा। कृषक बन्धुओं से अपील की जाती है कि ऑनलाईन पोर्टल एमपी किसान पर अपना आवेदन पंजीयन करायें।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए आवेदन 10 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय तथा सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार के लिए कृषकों, समूह से सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा के अंतर्गत 10 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। कृषि विभाग ने बताया कि कृषकों द्वारा वर्ष 2024-25 में कृषि, पशु पालन, मत्स्य पालन, रेशम पालन, उद्यानिकी एवं कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्र में की गई उन्नत तकनीकी, नवाचार, तकनीकी का विस्तार, फसल उपज एवं उत्पादकता मूल्यांकन के आधार पर आवेदन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि प्रसंस्करण एवं रेशम पालन के लिए आवेदन किये जा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2024 हैं। आवेदन संबंधित वरिष्ठ कृषि विकासखण्ड कार्यालय, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, ब्लॉक टेक्नोलाजी मैनेजर (आत्मा) से प्राप्त किये जा सकते हैं। जिले में विकासखण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार 25 कृषकों को राशि 10000 रुपए प्रति कृषक तथा जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार 05 कृषकों को राशि 25000 रुपए प्रति कृषक एवं जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समूह पुरस्कार 05 समूह को राशि 20000 रुपए प्रति समूह एवं प्रमाण-पत्र 26 जनवरी 2025 को प्रदाय किया जाएगा।

विकास से समाज कल्याण के लिए सद्मूल्यों को करना होगा विकसित-उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी से विकास की तेज राह में विश्व आगे बढ़ रहा है, इसे सही दिशा देकर मानव कल्याण से जोड़ने के लिए समाज में सद्मूल्यों को विकसित करना होगा। विकास को वरदान बनाना है तो समाज में प्रेम, दया, करुणा, परोपकार और शांति की भावना को जागृत करना होगा। ब्रह्मकुमारी जैसे संस्थानों द्वारा जन-चेतना के लिए किये जा रहे कार्य सशक्त और समृद्ध भारत तथा वैश्विक खुशहाली के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल राजस्थान के माउंट आबू में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण वैश्विक शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित शिखर सम्मेलन के शुभारंभ सत्र में (4 अक्टूबर) राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु शामिल हुई थीं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री

नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है आज भारत विश्व की 5 वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आगामी 5 वर्षों में हम तीसरी और वर्ष 2047 तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। व्यापक स्तर पर तेज गति से विकास हो रहा है।

तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने विकास के द्वार खोले हैं। नागरिकों को सक्षम बनाने के लिये उच्चस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। विकास की राह के हर पड़ाव में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सपनों के भारत के निर्माण का महायज्ञ चल रहा है। इस विकास को स्थायी बनाने के लिये मानव जाति का जागृत होना आवश्यक है। इसके लिये भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और आध्यमिकता का पुनरुत्थान करना होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे 21 वीं सदी भारत की होगी। भारत विश्वगुरु होगा। वर्तमान वैश्विक पारिस्थितियों में भारत का नेतृत्व नितांत आवश्यक है। आर्थिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास पर भी कार्य करना होगा। विकसित, समृद्ध और खुशहाल विश्व के निर्माण के लिये भारत की वसुधैव कुटुंबकम की सोच पर सभी को चलना होगा। वैश्विक कल्याण के इस अहम दायित्व के निर्वहन के लिये आवश्यक है कि भारत का हर नागरिक सकारात्मक भूमिका निभाकर लोक-कल्याणकारी पुनीत यज्ञ में सहभागी बने। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी कहते थे आज मानव ने आकाश में पक्षी की तरह उड़ना सीख लिया है, मछली की तरह समुद्र में तैरना सीख लिया है लेकिन इंसान की तरह जमीन पर चलना नहीं सीख पाया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि वैश्विक कल्याण के लिये मानव मूल्यों को जागृत करना होगा।

मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के यश बाथरे करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी के होनहार खिलाड़ी यश बाथरे का चयन भारत की ओर से मॉडर्न पेंटाथलॉन के बाईथले/ट्रायथले इवेंट में भाग लेने के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित वर्ल्ड चैंपियनशिप प्रतियोगिता 8 से 14 अक्टूबर के बीच इजिप्ट में आयोजित की जाएगी। यश बाथरे विगत चार वर्षों से मध्यप्रदेश ट्रायथलॉन अकादमी में कैप्टन मनोज झा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग और खेल संचालक रवि कुमार गुप्ता ने उन्हें बधाइयां दी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

आशा शब्द ही उम्मीद और नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है - मंत्री शुक्ला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा है कि आशा शब्द है उम्मीद का दूसरा नाम है। यह शब्द महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देता है। मंत्री श्री शुक्ला ने रविवार को भिंड जिले के मेहगांव में आशा, पर्यवेक्षक एवं बीसीएम को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशंसा-पत्र और शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में आशा कार्यकर्ता एक मजबूती कड़ी के रूप में कार्य कर रही हैं, जो प्रत्येक गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने व टीकाकरण संबंधी कार्यों को पूरी जिम्मेदारी से निभा रही

हैं। मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि आशा कार्यकर्ता के नाम के आगे ही आशा शब्द जुड़ा हुआ है जो सबके मन में उम्मीद की किरण तो जगाता ही है। साथ ही महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देता है। आशा कार्यकर्ताओं के कार्यों की जितनी सराहना की जाये उतनी कम होगी। उन्होंने कहा कि आशा, गर्भवती महिलाओं के पास डॉक्टर से पहले पहुंचने का कार्य कर रही है। जिले में आशा कार्यकर्ताओं के निरंतर किया जा रहे प्रयत्नों और परिश्रम का ही परिणाम है कि आज शिशु-मातृ मृत्यु दर में कमी आई है।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह-2024

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह-2024 के छठवें दिन प्रात: 6.00 बजे पक्षी अवलोकन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में इंटरनेशनल स्कूल, वीएनएस कॉलेज गांधी मेडीकल कॉलेज अन्य संस्थाओं सहित 36 प्रतिभागियों ने पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों के दर्शन किये जिनमें प्रमुख है ब्लैक डरोंगो ओपन बिल स्टोर्क, रेड मुनिया, ग्रे हेरॉन, ब्रॉज विंग जकाना, इंडियन रॉबिन, मैगपाई रॉबिन, व्हिस्टलिंग टील, पैराडाइस फ्लाईकैचर एव लिटिल कार्पेरिंट आदि तथा तितलियों में बटरफ्लाई कॉमन क्रो, ग्रे पेनसी, कॉमन ईवनिंग ब्लू टाईगर स्ट्राइपड टाईगर प्लेन टाईगर आदि को देखकर प्रतिभागी उत्साहित हो

उठे। स्रोत व्यक्ति के रूप में श्री ए.के खरे, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक डॉ. सुदेश वाघमारे, सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक, डॉ सगीता राजगीर एवं मो खालिक, भोपाल बर्डस तथा अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक वन विहार श्री एस.के. सिन्हा द्वारा किया गया। वन विहार में भ्रमण पर आये पर्यटकों के लिये %बॉक थू क्रिज कम एग्जिविशन% का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 200 पर्यटकों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रश्नों का सही उत्तर देने वाले पर्यटकों को पुरस्कृत किया गया। कक्षा नर्सरी से पहली तक के बच्चों के लिये वन्य जीवों पर आधारित टोडलर प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। साथ ही प्रात: 10.00 बजे से ही विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये वन्यजीव विषय पर फेस पेंटिग प्रतियोगिता आयोजित की जावेगी। राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह 2024 का समापन वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल के मुख्य आतिथ्य तथा वन मंत्री के विशेष आथित्य में प्रात: 10.00 बजे सम्पन्न होगा। मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि द्वारा राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह के अंतर्गत सम्पन्न विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जायेंगे। साथ ही वन्यप्राणी संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को भी वन्यप्राणी संरक्षण पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किये जायेंगे।

छिंदवाड़ा जिले के 66 प्रतिशत से अधिक परिवारों को अपने घर में मिल रहा नल से जल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुछ बातें कही नहीं जातीं, पर उनकी आहट महसूस हो जाती है। जैसे बिना शोर-शराबे के छिंदवाड़ा जिले में एक बढ़िया काम हुआ है। छिंदवाड़ा जिले में कुल 3 लाख 53 हजार 326 परिवार रहते हैं। चूंकि जल सबके जीवन से जुड़ा विषय है, इसलिये पीएचई विभाग जल जीवन मिशन (योजना) के जरिये इन सभी परिवारों को हर घर नल से जल उपलब्ध कराने के लिये पूरी शिद्दत से प्रयास कर रहा है। इस काम में पीएचई को बड़ी सफलता मिल रही है। जिले के 466 से अधिक गांवों में पीएचई ने स्थायी नल कनेक्शन दे दिये हैं। सितम्बर 2024 तक लक्षित परिवारों में से 2 लाख 33 हजार 158 से अधिक परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देकर घर-घर जल मुहैया कराया जा रहा है। तय लक्ष्य के 66 प्रतिशत से अधिक परिवारों को यहां नल से जल मिल रहा है। यह एक बड़ी उपलब्धि है। इससे छिंदवाड़ा जिले के उन गांवों के लोगों को, जो पहले शुद्ध जल के लिये खासे हैरान- परेशान रहते थे, उन्हें जल संकट से हमेशा के लिये मुक्ति मिल गई है। अब ग्रामीणों को जल के लिये भटकना नहीं पड़ता। सिर्फ नल खोलने भर की बात है, पानी की धार से यहां सबके घर गुलज़ार हैं। छिंदवाड़ा जिले में जल जीवन मिशन की सफलता का सबसे ज्यादा लाभ महिलाओं को हुआ है। जिले की आधी आबादी (महिलाओं) को अब पानी की किल्लत से पूरी आजादी मिल गई है। जिले के कचरिया गांव में भी जल जीवन मिशन से हर घर नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा रहा है। इसी गांव की निवासी श्रीमती कविता सूर्यवंशी बताती हैं हमारे गांव में पानी की बड़ी किल्लत थी। हम दूर-दूर से पानी लाते थे, जो हमारे लिए बेहद कठिन होता था।

पीवीटीजी बहुल 24 जिलों में पीएम पोषण योजना से बच्चों को मिल रहा पका हुआ पोषण आहार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री पोषण शाक्ति निर्माण या कहें पीएम पोषण योजना से प्रदेश के जनजातीय वर्ग के बच्चों को पके हुये पोषण आहार का भरपूर लाभ मिल रहा है। विशेष रूप से कमजोर व पिछड़े जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की बहुलता वाले मध्यप्रदेश के 24 जिलों के बच्चे पीएम पोषण योजना से अधिक लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रदेश में बैगा, भारिया एवं सहरिया तीन जनजातियां पीवीटीजी में आती हैं। अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, दतिया, डिण्डोरी, गुना, ग्वालियर, कटनी, मंडला, मुरैना, नरसिंहपुर, सतना, शहडोल, श्योपुर, शिवपुरी, सीधी, विदिशा, भिण्ड, जबलपुर, रायसेन, उमरिया, सिंगरौली एवं सिवनी जिले में पीवीटीजी जनजातियां निवास करती हैं।

पीएम पोषण योजना में प्रदेश के 24 पीवीटीजी जिलों में सतत् रूप से खाद्यान्न (गेहूं एवं चांवल) जारी किया जा रहा है। इस खाद्यान्न से बच्चों को पका हुआ गर्म पोषक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। गत वित्त वर्ष 2023-24 में इन 24 पीवीटीजी जिलों को 30184.01 मीट्रिक टन गेहूं एवं 26519.96 मीट्रिक टन चांवल, कुल 56703.97 मीट्रिक टन खाद्यान्न जारी किया गया। वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में (30 सितम्बर 24 तक) इन्हीं पीवीटीजी जिलों को 13552.89 मीट्रिक टन गेहूं एवं 12941.77 मीट्रिक टन चांवल, कुल 26494.66 मीट्रिक टन खाद्यान्न जारी किया जा चुका है। बच्चों के लिये खाना पकाने रखे गये रसोईयों के मानदेय एवं भोजन पकाने पर होने वाले अन्यान्य व्ययों के लिये भी इन 24 पीवीटीजी जिलों को समुचित राशि जारी की गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में (31 अगस्त 24 तक) अनूपपुर जिले को 5 करोड़ 50 लाख 29 हजार 567 रूपये, अशोकनगर को 4 करोड़ 99 लाख 65 हजार 544 रूपये, बालाघाट को 8 करोड़ 91 लाख 93 हजार 618 रूपये, भिण्ड को 5 करोड़ 87 लाख 82 हजार 958 रूपये, छिंदवाड़ा को 10 करोड़ 44 लाख 3 हजार 7 रूपये, दतिया को 4 करोड़ 58 लाख 95 हजार 88 रूपये, डिण्डोरी को 7 करोड़ 9 लाख 69 हजार 783 रूपये, गुना को 4 करोड़ 73 लाख 70 हजार 935 रूपये, ग्वालियर को 6 करोड़ 2 लाख 28 हजार 357 रूपये, जबलपुर को 8 करोड़ 86 लाख 50 हजार 669 रूपये, कटनी को 7 करोड़ 98 लाख 12 हजार 942 रूपये, मंडला को 9 करोड़ 5 लाख 65 हजार 39 रूपये, मुरैना को 11 करोड़ 39 लाख 79 हजार 640 रूपये, नरसिंहपुर को 5 करोड़ 47 लाख 76 हजार 99 रूपये, रायसेन को 7 करोड़ 40 लाख 18 हजार 55 रूपये, सतना (मैहर जिला शामिल) को 11 करोड़ 60 लाख 97 हजार 834 रूपये, सिवनी को 8 करोड़ 90 लाख 65 हजार 250 रूपये, शहडोल को 5 करोड़ 89 लाख 5 हजार 698 रूपये, श्योपुर को 4 करोड़ 90 लाख 15 हजार 447 रूपये, शिवपुरी को 9 करोड़ 87 लाख 24 हजार 589 रूपये, सीधी को 8 करोड़ 66 लाख 16 हजार 304 रूपये, सिंगरौली को 8 करोड़ 90 लाख 39 हजार 910 रूपये, उमरिया को 4 करोड़ 66 लाख 42 हजार 12 रूपये तथा विदिशा जिले को 9 करोड़ 36 लाख 34 हजार 41 रूपये का आवंटन जारी किया गया है।

बालिकाओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस स्कूटी दल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार रतलाम में पुलिस विभाग द्वारा बालिका सुरक्षा के लिए महिला पुलिस स्कूटी दल द्वारा पेट्रोलिंग सुनिश्चित की गई है। नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत गरबा खेलने आने जाने वाली बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के अन्य प्रबंध सुनिश्चित किये हैं। महिला पुलिस स्कूटी दल को पुराने कंट्रोल रूम से पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। स्कूटी दल शहर में नवरात्रि त्यौहार दौरान शाम 7 बजे से रात्रि एक बजे तक सभी गरबा पांडालों के आसपास भ्रमण करेगी। त्यौहार के दौरान आने जाने वाली महिलाओं एवं बालिकाओं की मनचलों से सुरक्षा एवं छेड़खानी करने वाले पर नजर रखी जाएगी। महिला सुरक्षा को लेकर यह रतलाम पुलिस का एक और महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें लगभग 25 महिला पुलिस कर्मी शामिल रहेगी। नवरात्रि पर्व के बाद भी ये टीम शहर के संवेदनशील क्षेत्रों में पेट्रोलिंग करेगी ।

"मैं हूँ अभिमन्यु" अभियान के तहत जिलेभर में हुये आयोजन

स्कूल- कॉलेज एवं सार्वजनिक स्थानों पर वाद-विवाद, स्लोगन प्रतियोगिता एवं लघु फिल्मों का प्रदर्शन कर किया गया जागरूक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री अरविंद श्रीवास्तव व उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय (प्रभारी महिला सुरक्षा शाखा) श्रीमती गायत्री तिवारी के मार्गदर्शन में जिला पुलिस बल द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हो रहे अपराधों एवं घरेलू हिंसा की रोकथाम तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता अभियान "मैं भी अभिमन्यु" 03 से 12 अक्टूबर तक चलाया जा रहा है।

"मैं हूं अभिमन्यु" * अभियान के तहत थाना अमिलिया द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिठौली, थाना कोतवाली द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1, थाना कुसमी द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर भगवार, थाना कमर्जी द्वारा माध्यमिक विद्यालय पटपरा एवं चौकी पथरौला थाना मझौली द्वारा हाई स्कूल बस्तुआ में वाद-विवाद/ स्लोगन प्रतियोगिता एवं लघु फिल्मो का प्रदर्शन कर विद्यालयीन छात्र, छात्राओं एवं शिक्षकों को विकसित व सुरक्षित समाज के निर्माण महिला एवं पुरुषों की समान सहभागिता से ही किया जा सकता है के संबंध में बताया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक है कि समाज में लड़कों एवं पुरुषों को ना केवल महिला संबंधी अपराधों के लिए जागरूक किया जाए, बल्कि उन्हें संवेदनशील बनाया जाकर पूर्वाग्रह मुक्त सकारात्मक व्यवहार विकसित किया जाए। महिला सुरक्षा को ध्यान में रखकर विशेषकर पुरुषों को जागरुक करने हेतु अभिमन्यु जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में महिला अपराध के साथ साथ बढ़ते सायबर अपराध के संबंध में जागरूक किया जाकर यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया गया।

बता दें कि पूर्व में भी यह अभियान चलाया गया जिसके सकारात्मक परिणाम आने से शुरू पुनः शुरू किया गया जिसके तहत जिले के विभिन्न प्रमुख स्थानों में कट आउट सेल्फी प्वाइंट लगाया जाकर प्रचार प्रसार किया जायेगा। आज अभिमन्यु शुभंकर के कटआउट को उपर्युक्त स्कूलों में विशेष जागरूकता अभियान अंतर्गत 1500 से अधिक छात्रों को जागरूक किया गया। 500 से अधिक छात्रों ने शुभंकर अभिमन्यु के कटआउट सेल्फी प्वाइंट के साथ अपनी-अपनी सेल्फी ली और विश्वास दिलाया कि सेल्फी प्वाइंट में उल्लेखित बातों को वह हमेशा याद रखेंगे, वह स्वयं भी जागरूक होंगे और घर जाकर अपने घर के सदस्यों को जागरूक करेंगे एवं पास पड़ोस के लोगों को भी जागरूक करेंगे।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आयोजन 10 अक्टूबर को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अक्टूबर माह को मानसिक स्वास्थ्य माह तथा 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। उक्त के अनुक्रम में 10 अक्टूबर 2024 को सुबह 09 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला चिकित्सालय सीधी के ओपीडी कक्ष ₹ मांक 11 में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जन-जागरूकता हेतु गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपारानी इसरानी द्वारा आदेश जारी कर डॉ. रविशंकर पटेल चिकित्सा अधिकारी मानसिक रोग, अमिता द्विवेदी नर्सिंग ऑफिसर एवं शुभम शुक्ला नर्सिंग ऑफिसर की ड्यूटी एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जन-जागरूकता गतिविधियों हेतु लगाई गई है।

एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जन-जागरूकता गतिविधियां 10 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपारानी इसरानी ने आदेश जारी कर 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस एवं अक्टूबर माह को मानसिक स्वास्थ्य माह के रूप में मनाया जाता है। उक्ते के अनुर म में दिनांक 10 अक्टूबर 2024 को सुबह 09 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला चिकित्सालय सीधी के ओपीडी कक्ष ₹ मांक 11 में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जन-जागरूकता हेतु गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। जारी आदेशानुसार डॉ. रविशंकर पटेल चिकित्सा अधिकारी मानसिक रोग, अमिता द्विवेदी नर्सिंग ऑफिसर एवं शुभम शुक्ला नर्सिंग ऑफिसर की ड्यूटी एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर एवं जन-जागरूकता गतिविधियों हेतु लगाई गई है।

जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में कक्षा 6वीं में आवेदन की अंतिम तिथि 07

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रभारी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट ने जानकारी देकर बताया है कि पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के कक्षा 6वीं में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन हेतु आवेदन करने की तिथि बढ़ाई गई है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथ 07.10.2024 है। अभ्यर्थी का जन्म दिनांक 01.05.2012 से 31.07.2015 के बीच होना चाहिए, अभ्यर्थी सीधी जिले का निवासी होना चाहिए एवं सीधी जिले में ही कक्षा 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए, पात्रता पूर्ण करने वाले अधिक से अधिक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करें। कक्षा 6वीं में भरे गये समस्त आवेदन पत्रों के लिए सुधार हेतु नवोदय विद्यालय की वेबसाइट दिनांक 08.10.2024 और 09.10.2024 तक खुली रहेगी जिन अभ्यर्थियों को सुधार करना है वह इन 2 दिनों में सुधार कर सकते हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में कक्षा 9वी तथा 11वी में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रभारी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट ने जानकारी देकर बताया है कि कक्षा 9वीं एवं 11वीं में सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन विद्यालय की वेबसाइट पर प्रारंभ हो गया है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 30.10.2024 है। अभ्यर्थी का जन्म कक्षा 9वीं के लिए दिनांक 01.05.2010 से 31.07.2012 एवं कक्षा 11वीं के अभ्यर्थी का जन्म दिनांक 01.06.2008 से 31.07.2010 के बीच होना चाहिए, अभ्यर्थी सीधी जिले का निवासी होना चाहिए एवं सीधी जिले में ही कक्षा 9वीं के लिए 8वीं में एवं कक्षा 11वीं के लिए 10वीं में अध्ययनरत होना चाहिए। पात्रता पूर्ण करने वाले अधिक से अधिक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन करें। परीक्षा 08 फ़रवरी 2025 होगी।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज ने समय-सीमा पत्रों पर निर्धारित समयावधि में कार्यवाही पूर्ण करने तथा की गई कार्यवाही से संबंधित वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होने कहा कि शासन के प्राप्त अति महत्वपूर्ण पत्रों पर समय-सीमा अंकित किया जाता है। उनमें प्राथमिकता से कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। उन्होने निर्देशित किया है कि विभाग प्रमुख समय-सीमा पत्रों, मुख्यमंत्री महोदय के कार्यालय से प्राप्त पत्रों, शासन के प्राप्त पत्रों, जन आकांक्षा तथा जनसुनवाई में प्राप्त समय-सीमा पत्रों का अवलोकन कर लें। आगामी एक सप्ताह में कार्यवाही पूर्ण कर संबंधित पोर्टल में जानकारी अद्यतन करें। जिन पत्रों में कार्यवाही पूर्ण हो गई है, उन्हें विलोपित कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने समस्त शाखा प्रभारियों को टीएल की नस्तियों के साथ समक्ष में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने निर्देशित किया है कि शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें। अन अटेन्डेड तथा निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों की संख्या न्यूनतम होनी चाहिए। लोक सेवा गारंटी अधिनियम अंतर्गत चिन्हित सेवाओं के समय-बाह्य प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सीईओ जिला पंचायत ने आगामी एक सप्ताह में सभी प्रकरणों में सेवा प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा की स्थिति में संबंधित अधिकारी कर्मचारी को नियमानुसार जुर्माने से दण्डित किया जावेगा। बैठक में उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आर पी त्रिपाठी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

भूतपूर्व सैनिकों के लिए युद्ध सम्मान योजना अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर 2024

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि युद्ध सम्मान योजना के अंतर्गत भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग भारत सरकार द्वारा 15 लाख रूपये सम्मान निधि के रूप में दिये जाने का प्रस्ताव है। सभी भूतपूर्व सैनिक (या उनकी पत्नी), अफ़सरध्जेसीओध्जवान जिन्होंने 1965 या 1971 युद्ध में भाग लिया एवं उन्हे समर सेवा स्टार या पूर्वी स्टारध्समी स्टार मेडल प्राप्त किये है, उनका डाटा एकत्र किया जा रहा है। सीधी एवं सिंगरौली जिले में भूतपूर्व सैनिक जो कि मेडल प्राप्त किये हैं, अपना पूरा व्यौरा आवेदन डिसचार्ज बुक और सभी सपोर्टिंग डाक्यूमेंट के फोटो कापी के साथ निर्धारित प्रारूप में जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सीधी में 15 अक्टूबर 2024 तक जमा कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला सैनिक कल्याण कार्यालय सीधी से संपर्क कर सकते हैं।

पीएमश्री विद्यालय के प्राचार्यों की बैठक आयोजित, सीईओ जिला पंचायत ने कहा-

छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के प्रयास करें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पी.एम.श्री स्कूल योजना एक केन्द्र प्रवर्तित योजना है और इसके अर्न्तगत चयनित सभी विद्यालय मॉडल स्कूल बनेगे और इनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पूरी भावना समाहित होगी। इस योजना से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता का सुधार होगा अपितु विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों को भी तैयार करने में मदद करगी। विद्यालयों में समस्त आधुनिक सुविधाएं प्रदान की जायेगी। विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, विज्ञान प्रयोगशालायें, कम्प्यूटर लैब्स और डिजिटल लाईब्रेरी जैसी सुविधाओं से लैस किया जायेगा। उक्त के संबंध में मुख्य कार्यपालन जिला पंचायत अंशुमान राज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार सीधी जिले के सभी 14 पी.एम.श्री स्कूल के प्राचार्यों की बैठक का आयोजन किया गया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ने कहा कि शिक्षा का क्षेत्र बहुत ही व्यापक है। हमें बच्चों को किताबों में मौजूद ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान देना भी आवश्यक है। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जिससे उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित हो, उनमें चीजों को समझने की जिज्ञासा पैदा हो तथा उनमें तर्क करने की क्षमता का विकास हो। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशालाओं के साथ-साथ कम्प्यूटर लैब्स का अधिकतम उपयोग करें। श्जादू नहीं विज्ञान हैश् कार्यर्म को जिले की प्रत्येक विद्यालय तक लेकर जाएं। कुछ विद्यालयों में रोबोटिक्स और कोडिंग के विषय में भी प्रयास करें। साथ ही जिले को संविधान साक्षर बनाने की दिशा में विद्यालयों से पहल की जाए। बच्चों के उनके अधिकारों-कर्तव्यों के विषय में जागरूक करें। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा बजट राशि आई.सी.टी लैब, वोकेशनल लैब, हेल्थ कैम्प, आत्मरक्षा, अतिरिक्त क्लास रूम, टी.एल.एम., पीने के पानी की सुविधा पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये गये।

जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी.एल. मिश्रा द्वारा पी.एम.श्री स्कूल का विस्तृत परिचय देते हुये इन विद्यालयों में बुनियादी व्यवस्थाओं जैसे शौचालय, पीने योग्य पानी, विद्युत व्यवस्था, इन्टरनेट सुविधा, फर्नीचर उपलब्धता, विद्यांजलि पोर्टल पर विद्यालयों का पंजियन, आपस में बेहतर समन्वय कर संचालन सुनिश्चित करना, जन सहयोग, पूर्व छात्रों के सहयोग और शासन के संयुक्त प्रयास से पी.एम.श्री विद्यालय के लक्ष्यों को बेहतर तरीके से प्राप्त किया जाना है। इन स्कूलों में समस्त बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, ताकि बच्चों को कोई परेशानी न हो आदि बिन्दुओं से अवगत कराया।

समीक्षा बैठक में डी.पी.सी. राजेश तिवारी, सहायक आयुक्त डॉ डी.के. द्विवेदी, प्रवीण शक्ला ए.डी.पी.सी., डॉ सुजीत कुमार मिश्र ए.पी.सी. तथा जिले के सभी 14 पी.एम.श्री स्कूल कुसमी ब्लाक में शा.उ.मा.वि. टमसार एवं गोतरा, मझौली में टिकरी एवं चमराडोल, रामपुर नैकिन में बागढ़, कन्या चुरहट, कन्या हाईस्कूल रामपुर नैकिन एवं हनुमानगढ़, सीधी ब्लाक में चौफाल, माध्यमिक विद्यालय मधुरी, पनवार, कन्या आदर्श हाईस्कूल सीधी तथा सिहावल में खुटेली एवं हटवाखास के प्राचार्य उपस्थित हुये।

सीधी में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के कन्या महाविद्यालय में सोमवार को दोपहर 1 बजे जिला स्तरीय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें 18 साल से कम उम्र की छात्रों ने भाग लिया। रामपुर नैकिन, चुरहट, सीधी, सिहावल और मझौली की बच्चियों ने इसमें हिस्सा लिया। इस दौरान सीधी विधायक रीति पाठक ने कार्यक्रम में शिरकत की और बच्चियों से मुलाकात की। उन्होंने खुद क्रिकेट खेलकर बच्चियों में उत्साह भरा। विधायक ने कहा कि महिलाएं पुरुषों से कम नहीं होती हैं और उन्हें विभिन्न खेलों में रुचि लेनी चाहिए।

साथ ही कहा कि जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाली बच्चियां राज्य स्तरीय खेल में भी हिस्सा लेकर क्षेत्र का नाम रोशन करें। इस मौके पर अमलेश्वर चतुर्वेदी, रोहित मिश्रा, प्राचार्य ओमप्रकाश नामदेव, कीड़ा अधिकारी डॉ. विनोद राय सहित छात्र-छात्राएं, अभिभावक और शिक्षक मौजूद रहे।

जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित

बच्चों से भिक्षावृत्ति कराने पर होगी कानूनी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से भिक्षावृत्ति कराने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध किशोर न्याय बालकों की देखरेख व संरक्षण अधिनिमय 2015 की धारा 76 के अंतर्गत दंडनीय कार्यवाही की जायेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज द्वारा जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में मध्यप्रदेश शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम एवं भिक्षावृत्ति मे संलग्न परिवारों के समग्र पुनर्वास के लिये 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक संपूर्ण जिले में अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया है। पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, नगरीय प्रशासन व महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्वयं सेवी संगठनों के सहयोग से अभियान चलाकर भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों का पुनर्वास किया जायेगा। यदि कोई व्यक्ति किसी बच्चे से भीख मंगवाते हुये पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जावेगी।

उप पुलिस अधीक्षक गायत्री तिवारी ने बताया कि जिले में पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन में जिला पुलिस बल द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध हो रहे अपराधों एवं घरेलू हिंसा की रोकथाम तथा सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जागरूक करने हेतु विशेष जागरूकता अभियान "मैं भी अभिमन्यु" 03 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2024 तक चलाया जा रहा है। महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक है कि समाज में लड़कों एवं पुरुषों को न केवल महिला संबंधी अपराधों के लिए जागरूक किया जाए, बल्कि उन्हें संवेदनशील बनाया जाकर पूर्वाग्रह मुक्त सकारात्मक व्यवहार विकसित किया जाए। महिला सुरक्षा को ध्यान में रखकर विशेषकर पुरुषों को जागरुक करने हेतु अभिमन्यु जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

जिला बाल संरक्षण अधिकारी आर सी त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि विभिन्न विद्यालयों मे पाक्सो अधिनियम व गुड टच व वेड टच के संबंध में प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिये गये हैं तथा समस्त शासकीय, अशासकीय विद्यालयों तथा छात्रावासों में कार्यरत कर्मचारियों के पुलिस वेरिफिक्रेशन कराया जाने का निर्देश दिये गये हैं। विद्यालय वाहनों में कार्यरत चालक व परिचालक का भी पुलिस वेरिफिक्रेशन कराया जायेगा। श्री त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान के साथ-साथ बच्चों को बालश्रमिक के रूप में नियोजित करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध भी कठोर कानूनी कार्यवाही की जायेगी। सड़क पर रहने वाले बच्चों तथा अनाथ व निराश्रित बच्चों का सर्वे कर शासन द्वारा दी जाने वाली संस्थागत व गैर संस्थागत सेवाओं, फास्टर केयर, स्पासंरशिप आदि से लाभान्वित किया जायेगा। बच्चों का चिंहाकन आंगनवाडी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, स्वयं सेवी संगठनों के सहयोग से किया जायेगा। जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक में समस्त उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, मझौली आरपी त्रिपाठी सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने 14 बुलेट से मॉडिफाई साइलेंसर निकाले

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले में यातायात पुलिस ने रविवार देर शाम बुलेट मॉडिफाई साइलेंसर लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। 14 बुलेट से मॉडिफाई साइलेंसर निकाले गए।

पुलिस ने बताया कि बाइक के साइलेंसर की आवाज 60 डेसिबल से कम होनी चाहिए। जबकि मॉडिफाई साइलेंसर लगाने के बाद इसकी आवाज 100 डिसएबल से भी ज्यादा हो जाती है। जिसकी वजह से ध्वनि प्रदूषण होता है।

यातायात थाना प्रभारी विद्याबारिधि तिवारी और उनकी टीम ने आज शहर के अलग-अलग इलाकों में वाहन चेकिंग के दौरान 14 बुलेट चालकों पर कार्रवाई की है।

विचार

भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता

एक तरफ शताब्दी वर्ष के दौर की खुशी तो दूसरी ओर उपेक्षा का गम, आज इसी दौर से गुजर रहा है राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ आज उसकी सबसे बड़ी चिंता यही है, उसकी सोच है कि आजादी के बाद से अब तक सर्वाधिक काल तक कांग्रेस सत्ता में रही, किंतु उस दौर में भी उसकी (संघ की) केंद्रीय सत्ता द्वारा इतनी उपेक्षा नही हुई, जितनी की आज भाजपा के शासनकाल में हो रही है। पिछले साल लगभग इन्हीं दिनों महाराष्ट्र के पूणे में संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक हुई थी, जिसमें भाजपा की चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई थी जिसमें संघ की उपेक्षा के गंभीर आरोप लगे थे, इसके बाद इसी साल केरल में आयोजित संघ की समन्वय बैठक में भाजपाध्यक्ष जगत प्रकाश नड्ड़ा का अचानक पहुंचना और वहां यह प्रकट करना कि संघ भाजपा को अपने अधीन न समझे, भाजपा का संघ से समान विचारधारा के अतिरिक्त कोई रिश्ता नही है, यह स्पष्ट करता है कि देश पर राज कर रही भाजपा संघ को अपना संरक्षक नही मानता। इन्हीं दो प्रसंगों ने संघ की चिंता बढ़ा दी हे, यद्यपि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अब तक इन दोनों घटनाक्रमों के संदर्भ में कुछ नही कहा है, किंतु वे चिंतित अवश्य है और अपने संघ के भावी अस्तित्व के प्रति गंभीर भी। अब इस स्थिति में यह भी संभव है कि संघ प्रमुख भागवत जी स्वयं अपने अस्तित्व की चुनौति को स्वीकार लें और अपने ही स्तर पर संघ को हर दृष्टि से मजबूत और आदर्श संगठन बनाने की ठान ले, इस घटना के बाद संघ प्रमुख की अपनी राष्ट्रव्यापी शाखाओं के प्रति बढ़ी सक्रीयता तो यही संदेश दे रही है, अब उन्होंने देश के सभी राज्यों के संघ प्रमुखों से जीवंत सम्बंध बनाए रखने तथा समय-समय पर उनसे चर्चा करते रहने का भी निश्चय कर लिया है, इसलिए अब संघ ने भाजपा शासित राज्यों में भी अपनी सक्रीयता बढ़ा दी है तथा वह अब अपने अस्तित्व की रक्षा में पूरी तरह जुट गया है। संघ की इस सक्रीयता से भाजपा तथा केन्द्र की चिंता बढना स्वाभाविक है, इसलिए राज्यों के भाजपा प्रमुखों के केंद्रीय संगठन से गोपनीय आदेश जारी किए गए है, जिनमें संघ की दैनंदिनी गतिविधियों पर तीखी नजर रखने को कहा गया है, अर्थात् अब संघ और भाजपा दोनों की ही एक-दूसरे पर तीखी नजर है। आज संघ की सबसे बड़ी और अहम् शिकायत ही यही है कि आजादी से अब तक के पचहत्तर वर्षो के कार्यकाल में अधिकांश समय कांग्रेस ही सत्ता में रही किंतु कांग्रेस के शासनकाल में भी संघ की इतनी उपेक्षा नही की गई, जितनी पिछले एक दशक से केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही है, अटल-आडवानी जी के राज में भी संघ का निर्णायक अस्तित्व कायम था, जो आज नजर नही आ रहा है और फिर संघ की केरल बैठक में जाकर भाजपाध्यक्ष का दो टूक कथन अपने आपमें भाजपा संघ के रिश्तों के लिए काफी महत्व रखता है। आज संघ में हर स्तर पर यही बिन्दू विशेष मंथन का विषय बना हुआ है और संघ तथा भाजपा के भावी सम्बंधों पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा रकता है

एक सनातन धर्म के खिलाफ तो दूसरा बना रक्षक, दोनों की राजनीतिक जंग में किसकी होगी जीत?

नीरज कुमार दुबे

दक्षिण की राजनीति में दो राजनेता हाल के समय में तेजी से उभर कर आये हैं। एक हैं तमिलनाडु के मुयमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन जिन्होंने सनातन धर्म का विरोध कर अपना राजनीतिक कॅरियर चमकाया और राज्य के उपमुयमंत्री पद पर जा पहुँचे। दूसरे नेता हैं फिल्मों से राजनीति में आये पवन कल्याण जिन्होंने सनातन धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया और आंध्र प्रदेश के उपमुयमंत्री पद पर जा पहुँचे। अब स्थिति यह है कि एक उपमुयमंत्री पवन कल्याण चेतावनी देते हैं कि सनातन को मिटाने की इच्छा रखने वाले खुद मिट जायेंगे तो जवाब में दूसरे उपमुयमंत्री उदयनिधि कहते हैं कि देखते हैं।

हम आपको बता दें कि तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष पवन कल्याण की 'सनातन धर्म' संबंधी टिप्पणी पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया देते हुए सिर्फ इतना कहा, ''देखते हैं और इंतजार करते हैं। जब पत्रकारों ने पवन कल्याण की चेतावनी पर उदयनिधि की प्रतिक्रिया मांगी, तो उन्होंने कहा, ठीक है, इंतजार करते हैं और देखते हैं। हम आपको याद दिला दें कि उदयनिधि ने पिछले साल 'सनातन' के 'उन्मूलन' की अपील की थी, जिसे लेकर राजनीतिक विवाद पैदा हो गया था। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने पिछले साल सितंबर में यह टिप्पणी करके राजनीतिक आक्रोश पैदा कर दिया था कि %सनातन धर्म% को मिटा दिया जाना चाहिए। इस धर्म को मच्छरों, डेंगू, मलेरिया, बुखार और कोरोना के बराबर बताते हुए उन्होंने कहा था कि इसे उन बीमारियों की तरह खत्म कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म का समूल नाश दरअसल मानवता और समानता को बनाए रखने के हित में होगा। उदयनिधि ने बाद में स्पष्ट किया था कि उन्होंने कभी भी %सनातन धर्म% का पालन करने वाले लोगों के नरसंहार का आह्वान नहीं किया। हालांकि उन्होंने कहा कि यह धर्म लोगों को जाति एवं धर्म के नाम पर विभाजित करता है।

जहां तक पवन कल्याण के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा था कि 'सनातन धर्म' का विरोध करने वालों का सफाया हो जाएगा। जनसेना पार्टी के प्रमुख ने कहा था कि आप सनातन धर्म को खत्म नहीं कर सकते। अगर कोई सनातन धर्म को खत्म करने की कोशिश करेगा, तो बता दूं, आप खत्म हो जाएंगे। पवन कल्याण ने तिरुपति लड्डू विवाद पर वराही घोषणा पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''यह मत कहिए कि सनातन धर्म एक वायरस की तरह है और यह नष्ट कर देगा... जिसने भी यह कहा है, मैं आपको बता दूं सर... आप सनातन धर्म को मिटा नहीं सकते। अगर कोई सनातन धर्म को मिटाने की कोशिश करता है, तो मैं आपको बता दूं, भगवान बालाजी के समक्ष कह रहा हूं, आप मिट जाएंगे।'' पवन कल्याण ने साथ ही लड्डू में मिलावट के मुद्दे को पिछले पांच सालों से ''सनातन धर्म'' पर किया जा रहा हमला बताया। हम आपको बता दें कि पवन कल्याण ने इस सप्ताह तिरुमला मंदिर में अपनी 11 दिवसीय तपस्या (प्रायश्चित दीक्षा) संपन्न की थी जो उन्होंने पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार के कथित पापों का प्रायश्चित करने के लिए की थी। बहरहाल, दक्षिण की राजनीति में धर्म पहले इतनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाता था जितनी अब देखी जा रही है। देखना होगा कि पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन के बीच शुरू हुई यह राजनीतिक जंग किस मुकाम पर पहुँचती है।

लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह

शकील अख्तर

जिसने भी पिछले दो दिन राहुल की यात्रा देखी है उसकी समझ में आ गया है कि राहुल ने हरियाणा में कांग्रेस की हवा को आंधी में बदल दिया। लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह है।ज् यात्रा का महत्व समझकर उन्होंने यह हरियाणा में तीसरी यात्रा निकाल दी। और हरियाणा के मिज़ाज को पुख्ता कर दिया। जनता जो सोच रही थी कि अब भाजपा को हराना है वह राहुल ने पक्का करवा दिया।

अब बस हरियाणा चुनाव की वोटिंग बची है। जैसी हवा है उसे देखते हुए तो लोगों की निगाह 5 अक्टूबर के मतदान पर नहीं बल्कि सीधे 8 अक्तूबर की काउन्टिंग पर है और इंतजार है कि कांग्रेस को कितनी सीटें मिलती हैं। बीजेपी और उसका मीडिया दोनों मान चुके हैं कि भाजपा नहीं जीत रही। बड़े साफ तौर पर बीजेपी के नेता कह रहे हैं कि बहुमत नहीं मिलेगा मगर 2019 की तरह जोड़ तोड़ कर सरकार हम ही बनाएंगे। जनता से ज्यादा उन्हें अपने जोड़ तोड़ करने की क्षमता पर भरोसा है। लेकिन इसके बावजूद भी वे कांग्रेस को बहुमत से थोड़ी कम सीटें तो बोल रहे हैं। मतलब भाजपा और गोदी मीडिया मन मार कर भी कांग्रेस को भाजपा से आगे बता रहा है।

लेकिन क्या यही हरियाणा की सही तस्वीर है। नहीं! जिसने भी पिछले दो दिन राहुल की यात्रा देखी है उसकी समझ में आ गया है कि राहुल ने हरियाणा में कांग्रेस की हवा को आंधी में बदल दिया। लोगों में राहुल को लेकर भारी उत्साह है। कांग्रेसियों को यह बात समझना चाहिए। यहां हर कांग्रेसी नेता खुद को खुदा मानता है। और दूसरे कांग्रेसी को कुछ नहीं। उसके इसी मिथ्याभिमान के कारण पहले कांग्रेस ने राजस्थान हारा और इस बार हरियाणा में हारना चाह रही थी। मगर समय रहते राहुल गांधी ने सही स्टैंड ले लिया। और हरियाणा में यात्रा शुरू कर दी। हालांकि कहा तो उन्होंने हंसते हंसते है कि कांग्रेस के शेर कभी कभी आपस में लड़ जाते हैं। और मेरा काम इन्हें फिर से एक करना है। वे भूपेन्द्र हुड्डा और कुमारी सैलजा दोनों के पीछे जाकर खड़े हुए और दोनों के हाथ उपर उठाकर मिलवा दिए। अगर कांग्रेस के क्षत्रपों में जरा भी शर्म है, कुछ शराफत बची है तो उन्हें समझना चाहिए कि उनकी पार्टी का सबसेबड़ा नेता खुद पीछे होकर उन्हें आगे कर रहा है। क्या मोदी जी कभी ऐसा कर सकते हैं? राहुल ने कहा कि हमारे कुछ नेता भाजपा में चले जाते हैं और वहां तो ऐसा कर नहीं सकते जैसा हमारे यहां करते हैं। हम तो एडजस्ट कर लेते हैं। मगर वहां तो उन्होंने उतरा हुआ चेहरा बना कर बताया कि ऐसे बैठना पड़ता है। यहां तो हंसते हैं मजाक करते हैं। और जो उन्होंने बोला नहीं वह यह कि कांग्रेस की ऐसी तैसी करते हैं। चुनाव प्रचार के दूसरे कार्यक्रम रोड शो, आमसभा पारंपरिक होते हैं। वैसे ही इसमें भाषण होते हैं। मगर यह पहली बार राहुल ने चुनाव के दौरान जो यात्रा निकाली वह एक बहुत सफल प्रयोग रहा। एक तो हजारों लोग इससे जुड़े दूसरे पूरे दिन जनता के साथ रहने से नेता के दिमाग में भी मौलिक विचार आते हैं। राहुल कोई मोदी जी की तरह टेलिप्राम्पटर पर पढ़कर तो बोलते नहीं हैं। वे तो जो जनता से सीखते हैं उसी को आगे बढ़ाते हैं। हमारे यहां पाखंड बहुत है। यह माना ही नहीं जाता कि जनता से सीखा जा सकता है। नेता तो उसे सिखाने जाता है। मगर दुनिया भर में जनता ही राजनीति की सबसे बड़ी शिक्षक मानी जाती है। गोर्की ने लिखा है माय यूनिवर्सिटिज। मेरे विश्वविध्यालय। उसमें आम जनता को ही विश्वविध्यालय बताया गया है। मैकिस्म गोर्की रूस के महान उपन्यासकार थे। तो हमारे यहां नेता जनता को सिखाता है। अपने मन की बात करता है। राहुल यही कहते हैं कि मैं आपके मन की बात सुनना चाहता हूं।

पशु भी चाहते हैं आजादी और प्रेमपूर्ण व्यवहार

चेतनादित्य आलोक

बढ़ती जनसंख्या और घटती वन-संपदा ने जिन कुछ प्रमुख समस्याओं को जन्म दिया या बढ़ाया है, उनमें सर्वाधिक चिंतनीय और घातक समस्या वन्य पशुओं का लगातार बढ़ता हुआ आतंक है। उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिले बहराइच का प्रकरण सामने है, जहां मार्च 2024 में शुरू हुए भेड़ियों के खूनी हमलों के सर्वाधिक शिकार इलाके के छोटे-छोटे बच्चे हुए। इन हमलों में अब तक लगभग 10 बच्चों समेत कम-से-कम एक दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। दुर्भाग्य से घायलों में भी अधिकतर बच्चे ही हैं। वैसे देखा जाए तो भेड़िए ही नहीं, बल्कि हाथी, शेर, सियार, तेंदुआ, चीता, भेड़िया, भालू और बाघ जैसे बेहद खूंखार और भयावह वन्य पशुओं का मानव बस्तियों में अतिक्रमण और उनके द्वारा मनुष्यों, विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर हमले किए जाने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही हैं। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में बाघों, भालुओं, तेंदुओं और जंगली हाथियों, मध्य प्रदेश में सियारों एवं पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में जंगली हाथियों के हमले मनुष्यों कोई नई बात नहीं है। निर्विवाद रूप से ये घटनाएं अत्यंत दुरूखद और भयावह हैं। इसलिए लोगों का आक्रोशित होना उचित है, लेकिन प्रश्न है कि आखिर जंगल में आजाद विचरण करने, छोटे वन्य पशुओं का शिकार कर अपना तथा परिवार का भरण-पोषण करने और सामान्यत: अपने परिवार के साथ जीवन यापन करने वाले ये भेड़िए इतने खूंखार क्यों हो गए कि हमारे छोटे-छोटे मासूम बच्चों को मारकर खाने लगे। दरअसल, देश भर में जंगलों की तेजी से कटाई के कारण वन्य पशुओं का आशियाना दिनोंदिन उजड़ता जा रहा है। आज विश्व की कुल जनसंख्या 08 अरब (08 अरब साढ़े 17 करोड़) से भी अधिक हो चुकी है और प्रत्येक वर्ष इससे दो गुना से भी ज्यादा लगभग 18 अरब तक वृक्षों की कटाई हो रही है। पेड़ों की इस अंधाधुंध कटाई की भरपाई किए जाने का एक ही तरीका हो सकता है और वह है तीव्र गति से नए पौधों का रोपण और उनकी देखभाल करना यानी जितने पेड़ प्रत्येक वर्ष काटे जा रहे हैं, कम-से-कम उतने पौधे भी दुनिया भर में लगाए जाएं। हालांकि उन पौधों के पेड़ बनने में कई वर्ष लग जाते हैं।

इसलिए वास्तव में पौधरोपण की जो वर्तमान दर और गति है, उससे लगातार नष्ट किए जा रहे जंगलों के एवज में नए जंगल उगा पाना संभव नहीं है। तात्पर्य यह कि पौधरोपण वन्य पशुओं के प्राकृतिक रहवास और पर्यावरण दोनों को बचाने का सर्वश्रेष्ठ विकल्प तो अवश्य है, किंतु इस कार्य में पूर्ण रूप से सफलता प्राप्त करने के लिए पौधरोपण की गति को हमें इस हद तक बढ़ाना होगा कि जितने वृक्ष प्रत्येक वर्ष दुनिया भर में काटे जाते हैं, कम-से-कम उससे डेढ़ गुना तक पौधे तो अवश्य ही लगाए जाएं, जबकि प्रत्येक

वर्ष 18 अरब काटे जाने वाले वृक्षों की तुलना में आज दुनिया भर में मात्र पांच अरब पौधे ही लगाए जा रहे हैं। जाहिर है कि इस प्रकार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की भरपाई संभव नहीं होगी। यह विडंबना ही है कि भारत में भी वृक्षों की अंधाधुंध कटाई जारी है। लोकसभा में एक सवाल के जवाब में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने 21 मार्च 2022 को बताया था कि वर्ष 2020-21 के दौरान भारत में सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के निर्माण और विकास के लिए लगभग 31 लाख पेड़ काट दिए गए। वन (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत काटे गए पेड़ों के बदले में प्रतिपूरक वनीकरण की योजना चलाकर मोदी सरकार ने 359 करोड़ रुपये की लागत से 3.6 करोड़ से अधिक पौधे लगाए, जो नाकाफी प्रतीत होते हैं, क्योंकि फिलहाल इससे संबंधित कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है कि उनमें से कितने पौधे बचाए गए और कितने नष्ट होने के लिए छोड़ दिए गए। बहरहाल, वनों की अंधाधुंध कटाई के कारण दिनोंदिन वन्य पशुओं का प्राकृतिक रहवास सिकुड़ता जा रहा है, इससे इनके लिए भोजन-पानी की बहुत बड़ी समस्या पैदा हो गई है। इसीलिए वन्य पशु भोजन-पानी की तलाश में मानव बस्तियों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हुए हैं। वैसे भेड़ियों की बात करें तो ये स्वभाव से खूंखार तो होते हैं, परंतु सारे भेड़िए आदमखोर नहीं होते। हालांकि प्रतिशोध लेने में ये अत्यंत माहिर होते हैं। इसलिए यदि इनको या इनके परिवार के सदस्यों को क्षति पहुंचाने का प्रयास किया जाए तो ये कतई सहन नहीं करते और अपने शत्रुओं से चुन-चुनकर बदला लेते हैं। ऐसे कुछ उदाहरण दुनिया में मौजूद हैं, जिनमें भेड़ियों अथवा उनके बच्चों को मनुष्यों के द्वारा क्षति पहुंचाए जाने के बाद ये खूंखार हो गए और जब तक अपना बदला पूरा नहीं कर लिया, तब तक इनकी आक्रामकता कम नहीं हुई। आज से लगभग 25 वर्ष पूर्व ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश के जौनपुर और प्रतापगढ़ जिलों में सई नदी के कछार पर घटी थी, जिसमें भेड़ियों के हमलों में इलाके के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों की मौत हो गई थी।

उस समय पड़ताल करने पर यह पता चला था कि कुछ इंसानी बच्चों ने भेड़ियों की एक मांद में घुसकर उनके दो बच्चों को मार डाला था, जिसके प्रतिशोध स्वरूप भेड़ियों ने जोरदार हमले कर मनुष्यों के 50 से भी अधिक मासूम बच्चों को मौत के घाट उतार दिया था। उस दौरान वन विभाग के द्वारा चलाए गए भेड़ियों के धर-पकड़ अभियान में कुछ भेड़िए पकड़े भी गए थे, लेकिन उनके बीच में मौजूद आदमखोर जोड़ा हमेशा बचता रहा और बदला लेने के मिशन में लगातार कामयाब भी होता गया। हालांकि बाद में आदमखोर भेड़ियों को वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा गोली मार दी गई और अंततरू भेड़ियों का खूनी आतंक खत्म हो पाया था। गौर करें तो इस बार भी बहराइच की घटनाओं में भेड़ियों का वही व्यवहार... वही पैटर्न सफल होता हुआ प्रतीत हो रहा है। सबसे बड़े दुरूख की बात तो यह है कि एक बार फिर इन भेड़ियों की जान खतरे में आ गई है, क्योंकि शासन-प्रशासन की ओर से बेकाबू हो चुके इन आदमखोर भेड़ियों को गोली मार देने का आदेश दे दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में निकली गाय की अंतिम यात्रा, रोते हुए महिलाओं ने शव पर साड़ियां और फूल-माला रखी, बैंड-बाजा बजाकर दी गई विदाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में एक गाय की मौत के बाद धूमधाम से उसकी अंतिम यात्रा निकाली गई। मोहल्ले के लोगों ने नम आंखों से गाय के दर्शन कर उसे श्रद्धांजलि दी। रीति-रिवाज के साथ उसका अंतिम संस्कार किया गया। बैंड बाजे के साथ विदाई का वीडियो भी सामने आया है। दरअसल, सोमवार सुबह गौ-पालक राजू पांडे के घर पर लंबे समय से बीमार चल रही एक गाय की मौत हो गई। उन्होंने अपनी गाय की हर संभव सेवा की थी, इसलिए गाय की अंतिम यात्रा सम्मानपूर्वक निकालने की सोची। एक नई पहल करते हुए राजू ने गाड़ी को भी सजाया।

परिजनों के साथ मोहल्लेवासी भी हुए शामिल: अंतिम यात्रा में न केवल गो पालक राजू पांडेय का परिवार शामिल हुआ, बल्कि मोहल्लेवासी भी अंतिम दर्शन और विदाई में पहुंचे। इस दौरान गाय के प्रति लोगों का प्रेम और सम्मान इस कदर देखने मिला कि, अनेक महिलाओं की आंखे नम थीं।

गाय को नए कपड़े ओढ़ाकर श्रद्धांजलि दी: किसी भी परिवार के सदस्य की मृत्यु पर उसके शव पर सफेद या पीला कपड़ा डालने की परंपरा है। यहां जब गाय की अंतिम यात्रा किसी घर के सामने से गुजरी, तो उस घर की महिलाएं जो भी नया कपड़ा हाथ लगा, उसे गाय के शव पर डालने लगीं। कई महिलाओं की आंखों में आंसू थे। बड़ी संख्या में महिलाएं गाय पर साड़ी ओढ़ा रही थीं।

गाय में देवता का होता है वास: ग्रामीणों का मानना है कि, पुराणों के अनुसार गाय में सभी देवता निवास करते हैं। गाय के दूध को अमृत कहा जाता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार गाय की सेवा करने से पुण्य बढ़ता है और जीवन-मरण के चक्र से मुक्ति भी मिलती है।

छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के संचालक मंडल की हुई बैठक

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन के संचालक मंडल की बैठक आज रायपुर के आबकारी भवन में आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। संचालक मंडल की इस बैठक में बेवरेज कारपोरेशन के विभिन्न एजेंडों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में सर्वप्रथम 21 अगस्त को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णयों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2023-24 के वित्तीय विवरणों का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में बेवरेज कार्पोरेशन द्वारा दुर्ग एवं बिलासपुर के गोदामों में हाउस कीपिंग कार्य के लिए निविदा जारी करने कार्य का अनुमोदन किया गया, साथ ही अरसनारा-दुर्ग गोदाम के लिए एक नग जेनरेटर क्रय करने की भी स्वीकृति प्रदान की गयी।

अध्यक्ष श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सरगुजा संभाग में वाइन की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं आस पास के जिलों में स्टाक उपलब्धता के लिए मनेंद्रगढ़ में बेवरेज डिपो या गोदाम के संचालन का प्रस्ताव रखा जिस पर संचालक मंडल ने अपनी सहमति प्रदान की ।

मनेन्द्रगढ़ में बेवरेज गोदाम खुलने से गौरेला पेंड्रा मरवाही, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर, कोरिया और सूरजपुर जिलों की वाइन दुकानों के लिए स्टाक का स्टोरेज किया जाएगा। बैठक में सचिव वाणिज्य कर आबकारी श्रीमती आर शंगीता, प्रबंध संचालक स्टेट बेवरेज कार्पोरेशन श्री श्याम धावड़े, सचिव वित्त विभाग श्रीमती शारदा वर्मा समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

हेडमास्टर ने स्कूली बच्चों से ढुलवाया चावल, सस्पेंड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में सरकारी स्कूल के छात्रों से साइकिल पर चावल बोरी ढुलवाने वाली हेडमास्टर को जिला शिक्षा अधिकारी ने सस्पेंड कर दिया है। इससे पहले राजनांदगांव, बलरामपुर, जांजगीर और बिलासपुर में ही छात्राओं को धमकाने पर एक्शन हो चुका है। इस घटनाओं के वीडियो वायरल पर चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा ने अफसरशाही को लेकर जनहित याचिका के रूप में सुनवाई भी की थी। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद अब शिक्षा विभाग अलर्ट हो गया है। इसलिए तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

चावल ढोने का वीडियो हुआ था वायरल: दरअसल, मस्तूरी ब्लॉक के ग्राम पंचायत सोन के शासकीय प्राथमिक स्कूल में की वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें स्कूली बच्चों से साइकिल पर मध्यान्ह भोजन का चावल ढुलवाया जा रहा था। आरोप है कि प्रभारी हेडमास्टर पुष्पा साहू छात्रों से काम कराती हैं।

हेडमास्टर ने विभाग को बदनाम किया: बच्चों ने यह भी बताया कि, उनसे सोसाइटी से चार बार में 50-50 किलो कर दो क्विंटल चावल को स्कूल तक पहुंचाने का काम कराया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी ने निलंबित करते हुए आदेश में लिखा है कि, हेडमास्टर ने बच्चों से काम कराकर शिक्षा विभाग को बदनाम किया है।

वीडियो को बताया पुराना, अब एक्शन: छात्रों को इस तरह से चावल ढोते देखकर गांव के ही युवक ने वीडियो बनाया था। जिसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। वायरल वीडियो को शुरुआत में शिक्षा विभाग के अधिकारी पहले हेडमास्टर को बचाने की कोशिश में जुटे थे। लेकिन, जब मामला मीडिया में आया, तब कलेक्टर अवनीश शरण ने जिला शिक्षा अधिकारी टीआर साहू से रिपोर्ट मांगी। जिसके बाद हरकत में आए छ्श्वह्र ने हेडमास्टर पुष्पा साहू को सस्पेंड कर दिया है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा- महात्मा गांधी नहीं हैं राष्ट्रपिता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। ज्योतिष पीठाधीश्वर के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि, महात्मा गांधी राष्ट्रपिता नहीं हैं। उन्होंने निश्चलानंद के मोदी को गौ-हत्या का एजेंट बातने वाले बयान का भी समर्थन किया। दरअसल, गौ-माता को राष्ट्रमाता बनाने के लिए गो प्रतिष्ठा आंदोलन चल रहा है। गो-ध्वज स्थापना यात्रा रायपुर पहुंची है।

रायपुर के दीनदयाल ऑडिटोरियम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर शंकराचार्य ने कहा कि, राष्ट्र पिता नाम की कोई चीज हमारे यहां नहीं है। भारत कब से है, यह कोई नहीं जानता। इसका जन्म देने वाला कोई नहीं है। जब पाकिस्तान बना और पाकिस्तान के 'कायदे आजम' राष्ट्रपिता मोहम्मद अली जिन्ना बने, क्योंकि वह नया जन्मा था।

लेकिन भारत पहले से था। भारत को किसी ने नहीं जन्मा है। इसलिए भारत में कोई भी राष्ट्रपिता की पदवी पर प्रतिष्ठित नहीं किया जा सकता है। मोहन दास करमचंद गांधी को राष्ट्रपिता बताने का लोग अफवाह फैलाते हैं। अगर वे राष्ट्रपिता होंगे, तो उनसे प्रश्न होंगे कि उन्होंने किस राष्ट्र को जन्म दिया है। उनका जन्म तो खुद भारत में हुआ है, फिर वे कैसे राष्ट्रपिता हुए। इसलिए मोहनदास करमचंद गांधी राष्ट्रपिता नहीं है। इस बात की स्पष्टता इससे मिलेगी, जब गौ-माता राष्ट्र माता घोषित होगी।

निश्चलानंद सरस्वती के मोदी गौ-हत्या एजेंट वाले बयान का किया समर्थन: अंबिकापुर में पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा था कि, गौ-रक्षा के लिए आए मोदी गौ-हत्या के एजेंट हो गए हैं। इस बयान का अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि, निश्चलानंद ने कोई गलत बात नहीं कही है।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, जब 2014 में आम चुनाव हुए थे, तब मोदी ने कहा था कि, गुलाबी रंग की क्रांति की जा रही है। वह इंटरनेट पर भी है। आपका हृदय दहलता है या नहीं। मेरा हृदय दहलता है। मैं दुखी होता हूं। वह वीडियो देखकर हमने उन्हें वोट दिया था कि अगर यह व्यक्ति आएगा तो गौ-हत्या बंद कर देगा।

नरेन्द्र मोदी से हमें बहुत बड़ी आशा की थी। लेकिन बड़ी निराशा हमें मिली। जितने ज्यादा हम ऊंचाई पर चढ़े थे, उतने ज्यादा नीचे गिरने पर हमें चोट लगी। अगर उनसे हम कम आशा रखते, तो हमें कम दुख होता। उन्होंने बड़ी आशा जगाई थी। इसलिए उनसे हमें बड़ा दुख है।

बाबा साहेब के विचारों को सम्मान देने से शांति स्थापित होगी: धार्मिक विवाद रोकने के सवाल पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, आजादी के धार्मिक विवाद शुरू हो गए थे। धार्मिक विवाद के लिए देश में बंटवारा हुआ। कुछ लोगों ने कहा कि, हम साथ नहीं रह सकते। आप इतिहास पढ़िए बाबा साहेब अंबेडकर जिन्होंने संविधान की रचना की और जिनकी मूर्ति सभी जगह पर प्रतिष्ठित की जाती है।

उनका स्पष्ट मत था कि, हिंदू और मुस्लिम कभी एक साथ नहीं रह सकते। इसलिए बंटवारा कर देना चाहिए। जब तक एक भी मुस्लिम भारत में रहता है, तब तक शांति स्थापित नहीं हो सकती है। ये बाबासाहेब अंबेडकर की बात हम कह रहे हैं। वे दूरदर्शी थे। अंबेडकर को इस देश में इतना सम्मान दिया जाता है, तो उनके विचारों को क्यों सम्मान नहीं दिया जाता। इसलिए उनके विचारों को सम्मान देने से शांति स्थापित होगी।

छत्तीसगढ़ से बड़ी उम्मीद: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, हमें छत्तीसगढ़ से बड़ी उम्मीद है। यहां हर गांव में हर कोई गाय के साथ दिखाई देता है। यहां के लोगों में गौ माता के प्रति बड़ी भक्ति है। छत्तीसगढ़ में महतारी के रूप में गाय माता को माना जाएगा।

मोला छत्तीसगढ़ सरकार ले भरोसा है: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने छत्तीसगढ़ी में कहा कि, छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की नगरी है। यहां के नस्ल की गाय का नाम भी कौशल्या है। आज भी छत्तीसगढ़ में वह विराजमान है। मोला छत्तीसगढ़ सरकार ले भरोसा हे कि छत्तीसगढ़ की सरकार कौशल्या मां ला राज्य माता बनाही। उन्होंने कहा कि, अब देखते है यहां के सीएम को हमने सन्देश दिया है। छत्तीसगढ़ में गौ माता प्रतिष्ठित होगी। गाय को अनुदान नहीं, सम्मान चाहिए। हमें छत्तीसगढ़ सरकार से बहुत उम्मीद है।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र बैगा जाति के लोगों का हाल बेहाल

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (एजेंसी)।, नगर निगम क्षेत्र मे आने वाला बैगा पारा क्षेत्र है। लेकिन दीवान झरिया गांव का सारा कागजी कार्य ग्राम पंचायत भुकभुकी से होता है । यहा के लोग दोन्ना,पत्तल बेच कर अपना गुजर बसर करने को मजबूर है।

आज आपको एक ऐसे ग्राम की ओर लिए चलते है जो चिरमिरी नगर पालिक निगम मे है लेकिन वहां के लोगो को उसका दर्जा नही मिलता बल्की वहा के लोग ग्राम पंचायत भुकभुक्की से अपना कागजी कार्य करवाते ।

बैगा पारा आजादी के 78 वां वर्षो बाद भी बहोत पीछडी हुई है न ही यह पानी सुविधा है हर घर नल ,जो की जल जीवन मिशन का एक योजना है उसका भी लाभ यहां के लोगो को नही मिलता है बस्ती की महिला पानी के लिए पोखर तथा तुररा जाते है।जीवीकापार्जन के लिए दोना पत्तल और मुखारी बेच कर आपना तथा अपने परिवार का भरण पोषण करते है।तस्वीर मे देख सकते है किस तरहा महिलाए बरतुगां के जंगल की ओर से सरई के पत्ते ला रहे है और घरो पर ले जा कर इन पत्तो से दोना पत्तल बना कर अपनी जीवीका चलाने को मजबुर है । इनको जंगली जानवरो का खतरा बना रहेता है बाबजुद यह लोग अपनी जान को जोखम मे डाल कर यहा काम करते है

इनकी सुध् लेने वाला कोई भी नही है चुनाव पर नेता लोग इनसे बडी बडी बाते तो करते है पर चुनाव खत्म होने के बाद सब भुल जाते है ।

तस्वीर मे बुजर्गो के देखिए कैसे उम्मीद लगा कर बैठे है की कास हमारे बच्चो का भविष्य सवारने के लिए कोई हाथ बढाए। देवानी झरिया के लोगो को आजदी के 78 वा वर्षो के बाद भी कोई उम्मीद की किरण मिलेगी य नही यह तो आने वाला समय बताऐगा।

कवर्धा कांड...भूपेश ने जारी की 167 लोगों की सूची

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कवर्धा कांड में 167 लोगों की सूची जारी की है। जिनके खिलाफ बिना विवेचना के एफआईआर दर्ज की गई है। बघेल ने कहा कि, यह एफआईआर की कॉपी उन्हें किसी माध्यम से मिली है, सरकार एफआईआर कॉपी सार्वजानिक करे।

दरअसल, कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बघेल ने कहा कि, 137 लोग साहू समाज के हैं। जिनके खिलाफ गंभीर धाराएं लगी है। सरकार बताए इनके खिलाफ एफआईआर हुई या नहीं। वहीं, आजीवन कारावास और मृत्युदंड की धाराओं में अपराध दर्ज है। क्या सरकार 167 लोगों को फांसी दिलाना चाहती है ?

ये धाराएं लगी: बघेल ने कहा कि, भारतीय दण्ड संहिता के तहत धाराएं लगाई गई। 103 हत्या का, 102 (2), मॉब लिंचिंग से हत्या, 238 () 191 B दंगा कराना जैसे आधा दर्जन से अधिक धाराएं लगाई गई। 69 लोगों की गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार किए गए लोगों में 5 लोग मृतक कचरू साहू का पोस्टमार्टम कराने मध्यप्रदेश गए थे, उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। इससे लगता है, बिना विवेचना की इतनी सारी धाराएं लगाई गई। जो लोग नहीं थे, उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया है। भूपेश बघेल ने कहा कि, अभी परसों ही मैंने लोहारीडीह के मामले में पांच सवाल पूछे थे। परिवार वालों ने पोस्टमार्टम की मांग की है। सरकार उसमें क्या कर रही है। 169 लोग जेल में बंद है। जिसमें दो नाबालिग और 33 महिलाएं हैं। दंडाधिकारी जांच के बिंदु क्या हैं। सरकार का कोई जवाब नहीं आया।

इस मामले में सरकार का मौन, उसकी चुप्पी बहुत सी कहानियां कह रही है। सरकार ने जो कदम उठाए, उसमें सरकार ने स्वीकार कर लिया, लेकिन क्या आईपीएस अधिकारी पर कोई एफआईआर की गई क्या ?

छत्तीसगढ़ में 10 साल के बच्चे की गला काटकर हत्या

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में रविवार शाम को 10 साल के बच्चे की मोरन नदी के किनारे लाश मिली है। बताया जा रहा है कि गला काटकर हत्या की गई है। बच्चे की बलि दिए जाने की आशंका है। बच्चा करीब 5 दिन से लापता था। मामला बलंगी पुलिस चौकी क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, बच्चे का नाम बृजेश कुमार पाल (10) है और वह तोरफा गांव का रहने वाला था। बृजेश 2 सितंबर की शाम करीब 4 बजे घर के सामने खेल रहा था। इसके बाद अचानक गायब हो गया। परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बच्चे का शव घर से 500 मीटर दूर मिला है।

15 अक्टूबर से गिरेगा रात का पारा, आएगी ठंड

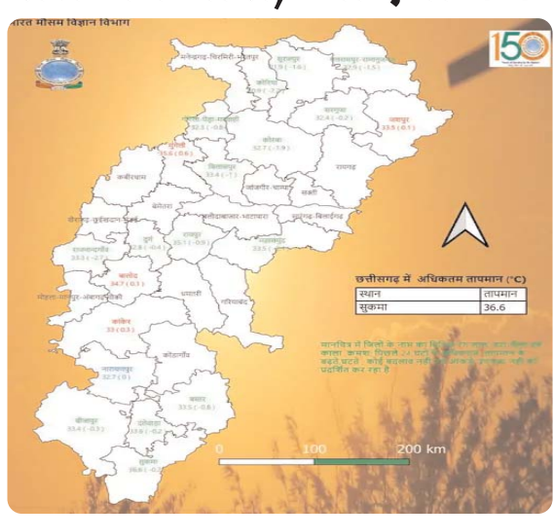

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में मंगलवार से सरगुजा और बस्तर संभाग के जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। रायपुर में रविवार को दिन का तापमान 35.1 डिग्री रिकार्ड किया गया। इसके चलते गर्मी और हल्की उमस महसूस हुई।

प्रदेश में मानसून की सक्रियता सामान्य से कम रही। एक-दो स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई। सबसे ज्यादा दंतेवाड़ा के कटेकल्याण में 20 मिमी बारिश हुई। वहीं रविवार को सुकमा और डोंगरगढ़ 36.6 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहे।

मौसम विज्ञानियों का कहना है, कि मानसून लौटने लगा है। 15 अक्टूबर के आसपास मानसून की वापसी रेखा रायपुर तक पहुंच जाएगी। इसके बाद प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट शुरू होगी।

सामान्य से अधिक रहा तापमान: मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को रायपुर समेत कई शहरों में दिन का तापमान सामान्य से अधिक रहा। रायपुर में दिन का तापमान सामान्य से 3 डिग्री अधिक रहा। बिलासपुर में दिन का तापमान 33.4 डिग्री रहा जो एक डिग्री अधिक था। अंबिकापुर में औसत से 2.8 डिग्री, जगदलपुर में 2.2 डिग्री और दुर्ग में सामान्य से 0.5 डिग्री तापमान अधिक था।

रायपुर में छत्तीसगढ़िया डेयर डेविल की फायर जंप, हेलिकाप्टर ने दी सलामी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में सेना के जवानों अपने करतब दिखाए। एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर ने पहुंचकर मंच को सलामी दी। इसके बाद गोरखा रेजिमेंट ने डांस परफॉर्म किया। इससे पहले घुड़सवारों और डेयर डेविल टीम ने अपने करतब दिखाए। भारतीय सेना के नो योर आर्मी प्रदर्शनी का सोमवार को अंतिम रहा है। पहली बार रायपुर में वो जीप भी लाई गई जिसपर बैठकर हवलदार अब्दुल हमीद ने पाकिस्तान के टैंक उड़ा दिए थे। उन्हें 1965 की जंग में इस कारनामे के लिए परमवीर चक्र दिया गया था।

साइंस कॉलेज मैदान में 5 अक्टूबर को शुरू हुई इस प्रदर्शनी के समापन समारोह में राज्यपाल रामेन डेका पहुंचे । सैनिकों ने यहां बाइक स्टंट, खुखरी डांस, कमांडो सर्जिकल स्ट्राइक जैसे चीजें मैदान में दिखाई हैं।

टैंक टी-90 को भी लोगों ने देखा। कमांडोज के इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार इजराइल और रशिया की गन्स भी दिखाई गई।

कार्यक्रम में राज्यपाल के सम्बोधन से ठीक पहले छत्तीसगढ़ ओडिशा सब एरिया के कमांडर, ब्रिगेडियर अमन आनंद ने कहा- ये जरूरी है कि सैनिक जो बॉर्डर पर ड्यूटी करता है उसके परिवार का ध्यान सरकार रखे। छत्तीसगढ़ सरकार हमारे शहीदों के परिवार का, पूर्व सैनिकों, सैनिकों का ध्यान रख रही। मैं राज्यपाल जी से यही कहूंगा कि आगे भी ये ध्यान बना रहे। युवाओं से ब्रिगेडियर आनंद ने कहा- सेना के सिपाही बनो या न बनो, देश के सिपाही जरूर बनो।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल रामेन डेका ने कहा कि भारतीय सेना का शौर्य और वीरता अद्भुत है। हमारे जवानों का अदम्य साहस और कर्त्तव्य निष्ठा हमे यह सिखाता है कि जब देश की बात हो तो हमे सभी कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। भारतीय सेना न केवल युद्ध क्षेत्र में बल्कि आपदा राहत कार्यों में जीवन के साथ हमारी सम्पत्ति की रक्षा करती है। इसलिए हमारे सैनिकों और उनके परिजनों के हित और कल्याण के लिए हमें भी अधिक-अधिक योगदान करना चाहिए।

इल्तिजा मुफ्ती बोलीं- गठबंधन पर फैसला रिजल्ट के बाद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 का रिजल्ट मंगलवार को आएगा। एग्जिट पोल में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस बहुमत के करीब दिख रही हैं। पीडीपी नेता जुहैब यूसुफ मीर ने रविवार को कहा था- भाजपा को सत्ता से बाहर रखने के लिए एनसी -कांग्रेस के साथ गठबंधन कर सकते हैं। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने लिखा- %गठबंधन की बात केवल अटकलें हैं।

पीडीपी की सीनियर लीडरशिप सेक्युलर फ्रंट को समर्थन पर तभी फैसला करेगी, जब रिजल्ट आएगा। बारामूला सांसद राशिद इंजीनियर ने कहा- जब तक जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा नहीं मिलता, तब तक इंडिया ब्लॉक, पीडीपी और अन्य पार्टियां राज्य में सरकार नहीं बनाएं, लेकिन एकजुट रहें। इधर जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना ने सोमवार को कहा- हम छोटी पार्टियों के समर्थन से जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाएंगे। 5 अक्टूबर को जारी हुए एग्जिट पोल्स में एनसी-कांग्रेस की सरकार बनती नजर आ रही है। 10 पोल में से 5 नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बना रहे हैं, जबकि 5 में वह बहुमत से 10 से 15 सीटें दूर दिख रही है। पार्टी को 40 सीटें मिलने का अनुमान है। भाजपा 30 सीटें ला सकती है। पीडीपी और अन्य की 10-10 सीटें आएंगी। भाजपा की नजर जीत हासिल करने वाले निर्दलिय प्रत्याशियों पर है। उनके साथ मिलकर सरकार बनाने पर है।

चेन्नई एयर शो में 5 की मौत

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई के मरीना बीच पर रविवार को वायुसेना के एयर शो के दौरान 5 लोगों की मौत हो गई। तमिलनाडु में इन मौतों को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर सुब्रमण्यन ने कहा कि, 15 लाख लोगों की भीड़ थी, गर्मी ज्यादा थी इसलिए 5 लोगों की मौत हुई। एयर फोर्स ने जितनी फैसिलिटी मांगी, उससे ज्यादा मुहैया कराई गई थीं। सुब्रमण्यन ने कहा- कार्यक्रम स्थल पर डॉक्टरों और नर्सों के साथ दो मेडिकल टीमें तैनात थीं।

साथ ही 40 एम्बुलेंस भी खड़ी थीं। उन्होंने यह भी कहा कि मरीना बीच पर पैरामेडिकल टीमों और पीने के पानी की भी व्यवस्था की गई थी। अस्पताल में जाने से पहले ही सभी मौतें हुई हैं। नेता कोवई सत्यन ने कहा, %अगर स्वास्थ्य मंत्री में थोड़ी भी शर्म है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। लोगों को 10 किलोमीटर पैदल चलना पड़ा। पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची। प्रशासन सीएम स्टालिन, उनके बेटे और परिवार की सेवा में लगा हुआ था। वे एसी टेंट में बैठे हुए थे। सरकार को बर्खास्त कर देना चाहिए।% मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने 5 लोगों की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

नक्सलवाद पर शाह ने 8 मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को दिल्ली में नक्सलवाद के खात्मे को लेकर बैठक की। विज्ञान भवन में हुई बैठक में इसमें नक्सल प्रभावित 8 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। शाह ने नक्सलवाद खत्म करने की कोशिशों को लेकर छत्तीसगढ़ की तारीफ की। उन्होंने बताया कि जनवरी से अब तक छत्तीसगढ़ में 194 नक्सली मारे गए हैं, 801 को गिरफ्तार किया गया है और 742 ने सरेंडर किया है। बैठक में शाह ने नक्सली युवाओं से अपील की कि वे हथियार छोड़कर मुख्य धारा में आएं। उन्होंने नॉर्थ-ईस्ट और जम्मू-कश्मीर के 13 हजार युवाओं का उदाहरण दिया, जिन्होंने नक्सलवाद छोड़ा है। शाह बोले- नक्सलवाद से जुड़ी हिंसा की घटनाएं कम हुईं अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद संबंधित हिंसा की घटनाएं 16,463 से घटकर 7,700 हो गई हैं। यह संख्या अगले साल और कम हो जाएगी। नागरिकों और सुरक्षाबलों की मौत में 70त्न की कमी आई है। हिंसा की रिपोर्ट करने वाले जिलों की संख्या 96 से घटकर 42 हो गई है। उन्होंने कहा कि हिंसा की रिपोर्ट करने वाले पुलिस थानों की संख्या 465 से घटकर 171 हो गई है, जिनमें से 50 पुलिस थाने नए हैं, यानी केवल 120 पुलिस थाने ही हिंसा की रिपोर्ट कर रहे हैं। राज्यों के साथ बड़ा प्लान तैयार कर रहा है गृह मंत्रालय नक्सलियों के खिलाफ गृह मंत्रालय राज्यों के साथ बड़ा प्लान तैयार कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जिस तरह से जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग रोकी गई, वैसे ही नक्सलियों को रोकने के लिए बड़ा एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है। केंद्र सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में साल 2010 के मुकाबले 2023 में नक्सल हिंसा में 72त्न और मृत्यु में 86त्न कमी आई है। इस साल देश में 202 नक्सली मारे गए हैं। इसके साथ ही वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों की संख्या 38 रह गई है। शाह बोले- सुरक्षा संबंधित स्कीम में सरकार ने फंड बढ़ाया शाह ने सिक्योरिटी रिलेटिड एक्सपेंडिचर स्कीम के बारे में बताया, जिसमें बीते 10 साल में करीब 2000 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। 2004-2014 में इसमें 1180 रुपए आवंटित किए गए थे, जो 2014-2024 में बढ़कर 3,006 करोड़ रुपए हो गए। स्पेशल सेंट्रल असिस्टेंस स्कीम ने भी बीते एक दशक में 3,590 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। उन्होंने कहा, 2019 से पहले सैनिकों के लिए सिर्फ दो हेलिकॉप्टर तैनात थे, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इसमें सीमा सुरक्षा बल (क्चस्स्न) के छह और वायु सेना के छह हेलिकॉप्टर शामिल हैं, जो सैनिकों की मदद के लिए हैं। 10 साल में 15 हजार से ज्यादा मोबाइल टावर लगाए गए गृहमंत्री ने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में 544 किलेबंद पुलिस थाने बनाए गए हैं। पहले सड़क नेटवर्क 2,900 किलोमीटर था, लेकिन पिछले 10 साल में इसे बढ़ाकर 11,500 किलोमीटर कर दिया गया है। इस दौरान 15,300 मोबाइल टावर लगाए गए हैं, जिनमें से 5139 टावरों को 4त्न कनेक्शन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले 38 एकलव्य मॉडल स्कूलों की मंजूरी दी गई थी, लेकिन उनमें से कोई भी नहीं बना। अब 216 स्कूलों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 165 स्कूल बन चुके हैं। शाह ने आगे कहा, पहले हवाई अभियान पर कुछ भी खर्च नहीं किया जाता था,

कोलकाता केस, सीबीआई बोली- ट्रेनी डॉक्टर का गैंगरेप नहीं हुआ

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में सीबीआइ ने पहली चार्जशीट दाखिल की है। इसमें जांच एजेंसी ने ट्रेनी डॉक्टर से गैंगरेप की आशंका को नकार दिया है। एजेंसी का कहना है कि वारदात को संजय रॉय ने अकेले अंजाम दिया था। करीब 100 गवाहों के बयानों और 12 पॉलीग्राफ टेस्ट करने के बाद सीबीआइ इस नतीजे पर पहुंची। पुलिस ने संजय को घटना के अगले दिन 10 अगस्त को अरेस्ट किया था। 9 अगस्त की सुबह अस्पताल के सेमिनार हॉल में पीड़ित की अर्धनग्न डेडबॉडी मिली थी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया था

गुजरात में सड़क हादसे में 3 की मौत, 54 जख्मी

अंबाजी (एजेंसी)। गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थस्थल अंबाजी में सोमवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 54 से ज्यादा घायल हो गए। 5-6 लोगों की हालत गंभीर है। बस में करीब 60 यात्री सवार थे। हादसा अंबाजी के त्रिशूलिया घाट पर उस वक्त हुआ, जब बस अनियंत्रित होकर घाटी की रेलिंग से टकरा कर पलट गई। घायलों को पालनपुर और अंबाजी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक यात्री ने बताया कि घाट पर बस चढ़ाते समय ड्राइवर मोबाइल से रील बना रहा था। हम लोगों ने उसे मना भी किया था, बावजूद इसके वह रील बनाने में लगा रहा। इसी दौरान बस घाट पर हनुमान मंदिर के पास रेलिंग से टकराकर पलट गई। ड्राइवर मौके से भाग गया था। वहीं, कुछ

यात्रियों का कहना है कि ड्राइवर नशे में नजर आ रहा था। इसी के चलते वह हादसे के बाद मौके से भाग निकला। पुलिस उसे जल्द पकड़कर मेडिकल टेस्ट करवाए तो पूरी सच्चाई सामने आ सकती है। पुलिस ने ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कानपुर में जवान बनाने का दावा करने वाले का सरेंडर

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में बूढ़ों को जवान बनाने का झांसा देकर 35 करोड़ ठगने वाले राजीव कुमार दुबे ने सोमवार को सरेंडर कर दिया। दोपहर करीब साढ़े 3 बजे राजीव कानपुर में डीएसपी साउथ अंकिता शर्मा के ऑफिस पहुंचा और सरेंडर कर दिया। किदवईनगर पुलिस उसको हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दूसरी तरफ ठगी के शिकार सैकड़ों लोग भी डीएसपी साउथ के ऑफिस पहुंच गए। हंगामा और बवाल की आशंका पर वहां की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कहा जा रहा है कि राजीव के खिलाफ जिन धाराओं में मुकदमा लिखा गया है, उनमें अरेस्टिंग नहीं है। पुलिस ने अभी तक अरेस्टिंग की धारा नहीं बढ़ाई है। वहीं, लोगों से करीब 35 करोड़ रुपए ठगने वाले दंपती राजीव दुबे और उनकी पत्नी रश्मि दुबे के बैंक खातों से पुलिस को हैरानी भरी जानकारी मिली।

बंगाल में 10 साल की बच्ची से रेप-मर्डर का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना के जयनगर में 10 साल की बच्ची की मौत मामले में आरोपी का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। घटना से पहले आरोपी को एक दुकान में देखा गया। सीसीटीवी फुटेज में 19 साल का आरोपी गुलाबी शर्ट पहने हुए दिखा, जो दुकान से बाहर निकलकर साइकिल पर जा रहा था। पुलिस का कहना है कि वह साइकिल पर ही नाबालिग को अपने साथ लेकर गया था। पीड़ित की एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि उसने आरोपी और पीड़ित को साइकिल पर देखा था। इसी के बाद पुलिस को हत्यारे की पहचान करने और उसे पकड़ने में मदद मिली थी। दरअसल, जयनगर के कृपाखाली इलाके के कुलटाली थाना क्षेत्र में स्थानीय लोगों ने 5 अक्टूबर को बच्ची का शव बरामद किया था। वह चौथी क्लास की छात्रा थी। परिवार ने बच्ची से रेप के बाद मर्डर का आरोप लगाया।

काउंटिंग से पहले हरियाणा कांग्रेस में सीएम चेहरे पर घमासान

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा की 90 विधानसभा सीटों पर वोटों की काउंटिंग से पहले कांग्रेस में घमासान मचता हुआ नजर आ रहा है। लगभग सभी एग्जिट पोल्स में कांग्रेस को बहुमत में दिखाया गया है। जिसके बाद अब यहां ष्टरू की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। दिल्ली में ष्टरूबनने के बारे में जब भूपेंद्र हुड्डा से पूछा गया तो उन्होंने कहा- मैं न टायर्ड हूं और न रिटायर्ड हूं। विधायकों के मत और हाईकमान के फैसले से सीएम तय होगा। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने भी दिल्ली में मीडिया के सामने पिता की पैरवी करते हुए कहा- हुड्डा साहब (भूपेंद्र हुड्डा) ने बड़ी मेहनत की है। चुनाव में सबका योगदान है लेकिन हुड्डा साहब का विशेष योगदान है जो चुनाव में कांग्रेस की स्ट्रेंथ बनी है। सीएम चेहरे की दावेदारी पर जब सांसद कुमारी सैलजा ने पूछा गया तो उन्होंने कहा- इसका फैसला विधायक दल की बैठक में होगा। उन्होंने कहा कि कई उम्मीद होती है लोगों की, चाहे दलित की बात हो या महिला की हो, हाईकमान को सब पता है। कांग्रेस में मची खींचतान के बीच 2 और नामों की सीएम को लेकर चर्चा हो रही है। इनमें पहला नाम दीपेंद्र हुड्डा का है।

हालांकि जब उनसे इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने हाईकमान के फैसला करने की बात कहकर इसे टाल दिया। दूसरा नाम हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान का है। उदयभान दलित नेता हैं। अगर कुमारी सैलजा जाट चेहरे भूपेंद्र हुड्डा की जगह दलित चेहरे की बात पर अड़ीं तो हाईकमान के पास हुड्डा ग्रुप से चौधरी उदयभान का नाम सामने आ सकता है।

केजरीवाल बोले- चुनाव से पहले दिल्ली की सड़कें ठीक होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की सड़कें जल्द ही ठीक होंगी। मैंने सड़कों की मरम्मत के लिए सीएम आतिशी को लेटर लिखा है। मुझे खुशी है कि हमारे विधायकों और नेताओं ने शहर की सभी सड़कों का निरीक्षण किया। केजरीवाल की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतिशी भी बगल में बैठी दिखीं। उन्होंने कहा- हमें केजरीवाल का लेटर मिला। इसके तुरंत बाद पीडब्ल्यूडी ने सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया। अभी 89 में से 74 सड़कों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। बाकी 15 सड़कों के लिए टेंडर जारी करने की प्रक्रिया जारी है। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी ने 23 सितंबर को पदभार संभाला था। आतिशी ने सीएम ऑफिस में एक खाली कुर्सी छोड़ दी थी और खुद दूसरी कुर्सी पर बैठीं। आतिशी ने कहा था- जैसे राम के वनवास जाने के बाद भरत ने खड़ाऊं रखकर अयोध्या का सिंहासन संभाला, मैं उसी तरह दिल्ली सीएम की कुर्सी संभालूंगी। 4 महीने बाद दिल्ली के लोग केजरीवाल को फिर से इसी कुर्सी पर बैठाएंगे। तब तक ये कुर्सी इसी कमरे में रहेगी और केजरीवाल जी का इंतजार करेगी। दिल्ली शराब नीति केस में

13 सितंबर को जमानत पर बाहर आने के बाद केजरीवाल ने 17 सितंबर को ष्टरू पद से इस्तीफा दे दिया था। 21 सितंबर को आतिशी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री बनीं। 23 सितंबर को उन्होंने 5 मंत्रियों के साथ शपथ ली। आतिशी ने 21 सितंबर को दिल्ली की 9वीं मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। राजनिवास में उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ के बाद आतिशी ने अरविंद केजरीवाल के पैर छुए। वे दिल्ली की सबसे युवा (43 साल) सीएम हैं। इससे पहले केजरीवाल 45 साल की उम्र में ष्टरू बने थे। आतिशी बतौर महिला सुषमा स्वराज और शीला दीक्षित के बाद दिल्ली की तीसरी महिला ष्टरू हैं। आतिशी के अलावा सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट में मुकेश अहलावत एकमात्र नया चेहरा हैं। आतिशी ने शिक्षा, पीडब्ल्यूडी और वित्त समेत 13 विभाग अपने पास रखे। वहीं, सौरभ भारद्वाज को हेल्थ समेत 8 प्रमुख विभाग का जिम्मा दिया गया। आतिशी कालकाजी सीट से तीन बार की विधायक हैं।

राहुल ने महाराष्ट्र में दलित के घर खाना बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक दलित परिवार के घर खाना पकाया। खाना बनाने का वीडियो उन्होंने सोमवार को एक्स पर शेयर किया। उन्होंने लिखा- दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। वीडियो में राहुल गांधी कहते नजर आ रहे हैं कि महाराष्ट्र के कोल्हापुर में मुझे अजय तुकाराम सनदे ने अपने घर बुलाकर किचन में हाथ बंटाने का मौका दिया। हमने मिलकर हरभऱ्याची भाजी बनाई। इसे चने के साग की सब्जी भी कहा जाता

है। साथ ही बैंगन की सब्जी और तुअर दाल बनाई। दलित क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं, कोई नहीं जानता। इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इसके बारे में हमने बात की। भेदभाव और सनदे के निजी अनुभवों पर बात करते हुए हमने दलित खानपान के प्रति जागरूकता की कमी और इस संस्कृति के डॉक्युमेंटेशन के महत्व पर चर्चा की। सनदे ने राहुल से कहा- किसी के मिलेट्स खाओ बोलने से ये महंगा हो गया। दरअसल, पीएम नरेंद्र मोदी अपने भाषणों में मिलेट्स पर जोर देते रहे हैं।

चेहरे के भाव देखकर ही एक दूसरे की बात समझ जाते हैं, मंधाना के बारे में बोली शेफाली

दुबई (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि उनका अपनी जोड़ीदार स्मृति मंधाना से इतना जबर्दस्त तालमेल है कि दोनों बल्लेबाजी के दौरान एक दूसरे के चेहरे के भाव देखकर मन की बात पढ लेते हैं। पिछले कुछ वर्ष में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के अच्छे प्रदर्शन के पीछे उसके सलामी बल्लेबाजों की सफलता भी है। शेफाली ने कहा कि उन्हें पता है कि टीम के लिये उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण है। शेफाली ने मंधाना के साथ तालमेल के सवाल पर स्टार स्पोटर्स से कहा ,‘‘ मैं पिछले दो तीन साल से मंधाना के साथ पारी की शुरूआत कर रही हूं और अब हम बल्लेबाजी के दौरान चेहरे के भाव से ही एक दूसरे के मन की बात पढ लेते हैं। हमें एक दूसरे की ताकत और कमजोरियां पता हैं और हम एक दूसरे को सकारात्मकता देते हैं।'' उन्होंने कहा ,‘‘ हमें पता है कि टीम के लिये हम दोनों कितने अहम है खासकर पावरप्ले के दौरान। इसीलिये हम अपने लिये, टीम के लिये और देश के लिये अच्छे प्रदर्शन का प्रयास करते हैं।'' शेफाली ने कहा ,‘‘ स्मृति दी की टाइमिंग कमाल की है और उन्हें पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाना आता है। मुझे उनकी यही बात बहुत पसंद है।'' उन्होने कहा कि विश्व कप जीतना कप्तान हरमनप्रीत कौर का सपना है। उन्होंने कहा ,‘‘ हरमनप्रीत दी खेल को लेकर काफी जुनूनी है। विश्व कप जीतना उनका सपना रहा है और मैं उम्मीद करती हूं कि उनका यह सपना सच हो जाये। वह महान खिलाड़ी और शानदार कप्तान है जो हमें प्रेरित करती है।

हरमनप्रीत कौर ने करारी हार के बाद सामने मानी गलती

नई दिल्ली (एजेंसी)। वुमेन्स टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा. न्यूजीलैंड ने 58 रनों से भारत को मात दी. इस हार के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नाखुश दिखीं. उन्होंने सबके सामने अपनी टीम की गलती मानी. आइए आपको बताते हैं कि भारतीय कप्तान ने क्या-क्या कहा.. टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही है. टीम को पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा. इस करारी हार के बाद भारतीय कप्तान ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला. पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में हरमनप्रीत ने कहा, हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला, जबकि उन्होंने बेहतरीन खेल दिखाया. हमने मौके बनाए, लेकिन उसको भुना नहीं सके. फील्डिंग में हमने काफी गलतियां की, हालांकि, हम इससे बहुत कुछ सीखेंगे. हमने इससे पहले कई बार 160-170 रनों को चेज किया है और आज भी यही उम्मीद कर रहे थे. महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया ने पहला मैच न्यूजीलैंड के साथ खेला. इस मैच में कीवी टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया.

मुकाबले में कप्तान सोफी डिवाइन की 57 रनों की कप्तानी पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने बोर्ड पर 160/4 रनों का स्कोर लगाया. 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया 102 के गई. टीम का कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर डट नहीं पाया और भारत को पहले ही मैच में 58 रनों से एक शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा.

अल्काराज़ ने शांग को हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया

शंघाई (एजेंसी)। बीजिंग फाइनल में जानिक सिनर पर अपनी रोमांचक जीत के कुछ ही दिनों बाद, कार्लोस अल्काराज़ ने शंघाई मास्टर्स में अपना दबदबा जारी रखा और दूसरे दौर में चीन के उभरते सितारे शांग जुनचेंग को 6-2, 6-2 से आसानी से हरा दिया। अल्काराज़, जो अपने 18 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी से तीन साल बड़े हैं, ने स्वीकार किया कि एटीपी टूर पर खुद से कम उम्र के किसी खिलाड़ी का सामना करना असामान्य लगा। मैच के बाद अल्काराज़ ने कहा, मुझे अपने से कम उम्र के खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने की आदत नहीं है। वह हाल ही में अच्छा टेनिस खेल रहा है, उसने अपना पहला एटीपी (चेंगदू में खिताब) जीता है, इसलिए मुझे पूरा यकीन है कि वह रैंकिंग में ऊपर जाएगा। मैं इस तरह के मैच जीतने में सक्षम होने से खुश हूं। शुरुआत से ही, अल्काराज़ ने शंघाई के दर्शकों के सामने शानदार खेल दिखाया, पहले नौ अंक जीतकर मैच की शुरुआत की और तुरंत ही शांग की सर्विस तोड़ दी। स्पैनियार्ड के आक्रामक नेट प्ले और शक्तिशाली रिटर्न ने उनके प्रतिद्वंद्वी को पूरे समय बैकफुट पर रखा। अल्काराज़ ने सात में से चार ब्रेक पॉइंट को बदला और अपने सभी सात नेट एप्रोच जीते। मैच का एक मुख्य आकर्षण दूसरे सेट की शुरुआत में आया जब अल्काराज़ ने पीछे हटने के लिए मजबूर होने के बाद एक शानदार बैकवर्ड फ्लिक किया और एक अंक बचाया। उन्होंने उस रैली को जीत लिया और मैच में अपने सामने आए एकमात्र ब्रेक पॉइंट को बचाकर अपनी 3-1 की बढ़त बनाए रखी।

दिवांशी ने जीता दूसरा स्वर्ण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिस्टल निशानेबाज दिवांशी ने लीमा में चल रही अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में महिलाओं की 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में दूसरा व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता, जिससे भारत ने इस स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया। जूनियर निशानेबाजों ने दो स्वर्ण सहित पांच और पदक अपने खाते में जोड़े। सूरज शर्मा ने जूनियर पुरुष स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता, जबकि मुकेश नेलावल्ली, जिनके पास पहले से ही इस प्रतियोगिता में चार स्वर्ण पदक हैं, को इस स्पर्धा में कांस्य पदक मिला। दिवांशी ने जूनियर महिला स्टैंडर्ड पिस्टल स्पर्धा में 600 में से 564 अंक हासिल किए, जिससे वह टीम की साथी परीशा गुप्ता से आगे रहीं, जिन्होंने 559 अंक हासिल किए। मानवी जैन के 557 अंक ने इस स्पर्धा में भारत का क्लीन स्वीप सुनिश्चित किया-जो प्रतियोगिता में पहली बार हुआ। भारत ने चौथा स्थान भी प्राप्त किया, क्योंकि शिखा चौधरी ने 554 अंक प्राप्त किए, जिससे वह एस्टोनिया की मार्जा किर्स से एक अंक आगे रहीं। इसी तरह पुरुष स्पर्धा में सूरज शर्मा ने 571 अंक प्राप्त किए, तथा पोलैंड के इवान राकिस्टस्की से आगे रहे, जिन्होंने 568 अंक प्राप्त कर रजत पदक जीता।

टीम इंडिया से प्रभावित हुआ पाकिस्तान का ये दिग्गज, पाक टेम पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने रविवार को बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में सात विकेट से परास्त किया। इसके साथ ही भारत ने सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली। भारत की इस जीत से पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी बासित अली बहुत प्रभावित हैं। उन्होंने भारत की जीत को लेकर पाकिस्तानी खिलाड़ियों को ताना मारा है। बता दें कि, इससे पहले बांग्लादेश ने पाकिस्तान को उसी के घर में टेस्ट सीरीज में 2-0 से मात दी थी। इसके बाद भारत ने पहले बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज में हराया और अब टी20 सीरीज में भी उसके खिलाफ जीत से शुरूआत की है। बासित अली ने कहा है कि, उन्हें नहीं लग रहा है कि ये वही बांग्लादेश टीम है जो पाकिस्तान के खिलाफ खेल रही थी। बासित अली ने कहा कि, क्या ये वही बांग्लादेशी टी है जिसने पाकिस्तान को 2-0 से हराया था। आप भारत के खिलाफ टेस्ट में उन्हें देखिए। वह पहला टेस्ट मैच हारे और दूसरा मैच लगभग दो दिन में ही हार गए। बारिश भी उन्हें बचा नहीं सकी। भारत ने चेन्नई टेस्ट 280 रन और दूसरा टेस्ट सात विकेट से जीता था। बासित अली ने आगे कहा कि, भारत ने क्रिकेट को अपने वर्चस्व से बदला है, बांग्लादेश उनके लिए कड़ी चुनौती नहीं है। बासित ने ये भी कहा कि, बड़े नामों की गैरमौजूदगी के बावजूद टीम इंडिया शानदार प्रदर्शन करती है।

प्रीति जिंटा का 16 साल का इंतजार हुआ खत्म, सीपीएल 2024 की चैंपियन बनीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल पंजाब किंग्स टीम की मालकिन और बॉलीवुड की एक्ट्रेस प्रीति जिंटा का 16 साल का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। उनकी टीम सेंट लुसिया सीपीएल 2024 की चैंपियन बन गई है। बता दें कि, प्रीति 2007 के बाद से क्रिकेट की दुनिया में छा गई। प्रीति जिंटा साल 2008 में पंजाब किंग्स की मालकिन बनी। ये टीम 16 साल में अब तक एक भी बार चैंपियन नहीं बनी लेकिन प्रीति की दूसरी टी20 टीम सेंट लूसिया किंग्स ने कैरिबियन प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर प्रीति का सपना पूरा कर लिया है। ये पहला मौका है जब प्रीति जिंटा की टीम कोई टी20 लीग जीती है। सेंट लूसिया ने फाइनल में गयाना अमेजन वॉरियर्स को हराया। गयाना की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी और उन्होंने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर केवल 138 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा ड्वेन प्रेटोरियस के बल्ले से निकले। फाफ डु प्लेसिस की कप्तानी वाली सेंट लूसिया किंग्स ने खराब शुरुआत के बावजूद मैच अपने नाम किया। 10 ओवर के बाद टीम का स्कोर 4 विकेट पर 51 रन था। यहां से अनुभवी रोस्टन चेस ने आरोन जोंस के साथ मिलकर टीम को जीत दिला दी।

भूल जाओ कि ये मैच... मयंक यादव को कोच गौतम गंभीर ने दी ये सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के खिलाफ ग्वालियर के मैदान पर टीम इंडिया के लिए दो खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। इनमें एक तेज गेंदबाज मयंक यादव और एक ऑलराउंडर नितीश रेड्डी थे। मयंक यादव अपनी पेस के लिए फेमस हैं और उन्होंने पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में 150द्मद्रश्चद्ध के करीब की गति से गेंदबाजी की। मयंक को एक विकेट भी मिला। वहीं मैच के बाद मयंक ने बताया को कोच गौतम गंभीर ने उन्हें एक अहम सलाह दी थी। मयंक यादव ने 4 ओवर में 21 रन दिए और एक विकेट हासिल किया। मैच के बाद जियोसिनेमा से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वे थोड़े से नर्वस थे, क्योंकि डेब्यू से पहले लंबे समय तक कोई भी प्रोफेशनल मैच नहीं खेले थे। उन्होंने बताया कि, इस सीरीज ने चोट के बाद मेरी वापसी को चिह्नित किया। मैंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला था और फिर सीधे अपना डेब्यू किया। इसलिए मैं थोड़ा ज्यादा नर्वस था। मयंक ने माना है कि रिकवरी फेज से गुजरना बहुत ही ज्यादा चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बीसीसीआई की सपोर्टिंग टीम को इसके लिए धन्यवाद दिया, जिन्होंने एनसीए में उनकी मदद की। मयंक ने मैच में गेंदबाजी में गति पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा, मैं तेज गेंदबाजी करने के बजाय सही लेंथ पर गेंद फेंकने के लिए दृढ़ था। मैंने अपनी गति के बारे में नहीं सोचा, बस कम से कम रन लुटाने की कोशिश की। गौतम गंभीर ने मैच से पहले उन्हें क्या सलाह दी? इसको लेकर उन्होंने बताया कि, उन्होंने मुझसे कहा कि बुनियादी बातों पर टिके रहें और वही करें जो आपके लिए अतीत में कारगर रहा है। इस तथ्य पर ज्यादा ना सोचें कि ये एक अंतर्राष्ट्रीय मैच है। ये मयंक यादव के काम आया।

हॉकी इंडिया लीग की सात साल बाद वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की सात साल बाद 28 दिसंबर से नए स्वरूप में वापसी होगी जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी। महिलाओं की स्पर्धा पहली बार आयोजित की जा रही है।

लीग का आयोजन 28 दिसंबर से एक फरवरी तक दो स्थानों राउरकेला और रांची में किया जाएगा। पुरुषों की प्रतियोगिता राउरकेला जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी यहां 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक एकत्र होंगे। खिलाड़ियों की नीलामी तीन श्रेणियों दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये में की जाएगी। हॉकी इंडिया लीग की वापसी देश में हॉकी के इतिहास में ही एक अहम कदम नहीं है बल्कि महिला हॉकी को बढावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। पहली बार महिला लीग शुरू करने से महिला हॉकी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिये मंच मिलेगा। पुरूष वर्ग में फ्रेंचाइजी मालिक चेन्नई (चार्ल्स ग्रुप), लखनऊ (याडु ग्रुप), पंजाब (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट), ओडिशा (वेदांता लिमिटेड), हैदराबाद (रिसोल्यूट स्पोटर्स) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं। महिला वर्ग में टीम मालिक हरियाणा (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं। महिला लीग की बाकी दो टीमों का ऐलान बाद में किया जायेगा। हर टीम में 24 खिलाड़ी होंगे जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी होंगे। इनमें चार जूनियर खिलाड़ी और आठ अंतरराष्ट्रीय सितारे होना अनिवार्य है। महिला लीग का फाइनल अगले साल 26 जनवरी को रांची में होगा जबकि पुरूष टीम का फाइनल एक फरवरी को राउरकेला में खेला जायेगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और लीग के चेयरमैन दिलीप टिर्की ने कहा कि महासंघ का अध्यक्ष बनने के बाद से उनका सपना लीग को फिर से शुरू करने का था। उन्होंने कहा ,‘‘ प्रीमियर हॉकी लीग ने दुनिया में लीग का चलन शुरू किया। पद पर काबिज होने के बाद से हमारा सपना लीग को फिर शुरू करने का था। आज हमारा सपना पूरा हुआ।'' उन्होंने कहा ,‘‘ हॉकी इंडिया लीग से राष्ट्रीय टीमों के लिये खिलाड़ी निकलेंगे। यह हॉकी में नया इतिहास रचेगी। विश्व हॉकी के लिये भी यह अहम है।

हम अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के शुक्रगुजार है कि हमें 35 दिन का विंडो मिला।'' हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा ,‘‘ इस लीग के लिये इंतजार लंबा रहा है। हॉकी भारत में खेल ही नहीं है बल्कि यह हमारे दिल में है।'' उन्होंने बताया कि एफआईएच ने लीग के लिये हॉकी इंडिया को पांच साल की विंडो दी है। उन्होंने यह भी बताया कि ओडिशा सरकार ने भारतीय हॉकी के साथ प्रायोजन करार 2036 तक बढा दिया है।

भारत के खिलाफ हार के बाद भड़के बांग्लादेश के कप्तान नजमुल शंटो

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले टेस्ट सीरीज गंवाई और अब बांग्लादेश क्रिकेट टीम को पहले टी20 मुकाबंले में हार झेलनी पड़ी। दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से क्लीनस्वीप झेलने के बाद बांग्लादेश की टीम के लिए टी20 इंटरनेशनल सीरीज की शुरुआत भी निराशाजनक रही है। पाकिस्तान दौरे पर 2-0 से टेस्ट सीरीज क्लीनस्वीप करके भारत दौरे पर आए बांग्लादेशी कप्तान पहले टी20 इंटरनेशनल मैच में भारत के खिलाफ जीत के बाद काफी नाराज नजर आए। पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने अपने बल्लेबाजों की जमकर क्लास भी लगाई। वहीं बांग्लादेश की टीम पूरे 20 ओवर भी खेल नहीं पाई और 19.5 ओवर में महज 127 रनों पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत ने 11.5 ओवर में ही तीन विकेट गंवाकर 132 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। नजमुल ने मैच के बाद कहा कि, पावरप्ले हारे लिए चिंता की बात है, जिस अप्रोच की हम मैच से पहले बात कर रहे थे, वह तभी सफल होगा। जब हम बैट से बेहतर शुरुआत करेंगे। हमें पहले 6 ओवरों में विकेट बचाना होगा और साथ ही रन भी बनाने होंगे। क्योंकि फिर जो बल्लेबाजी के लिए आता जाता है, उस पर बहुत ज्यादा दबाव बन जाता है। पावरप्ले में हमें संघर्ष करना पड़ा है, जो बैटर्स पावरप्ले में खेलते हैं, उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। नजमुल ने कहा कि स्किलसेट और मानसिकता दोनों टीमों में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि, मैं ये नहीं कहूंगा कि हमने बेकार क्रिकेट खेला, हम इससे बेहतर टीम हैं। इस फॉर्मेट में हमने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन मैं नहीं मानता कि हम बहुत खराब टीम हैं। मैं किसी एक खिलाड़ी के बारे में बात नहीं करूंगा। मुझे लगता है कि पूरी बैटिंग यूनिट ने अच्छा खेल नहीं दिखाया। हमारे पास काबिलियत है, लेकिन हमें अपने स्किलसेट पर काम करना होगा। हम 10 साल से ऐसे ही बैटिंग कर रहे हैं। हमें कुछ बदलाव करने होंगे। हम 140-150 वाले विकेट पर बांग्लादेश में खेलते हैं।

अधिक राजस्व की शिकायतों वाले पटवारी हल्कों को चिन्हित करने के निर्देश

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सोमवार को संपन्न समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की राजस्व संबंधी शिकायतों में एसडीएम एवं तहसीलदार निराकरण की सतत समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि तहसीलदार अपने क्षेत्रान्तर्गत अधिक सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों वाले पटवारी हल्के चिन्हित कर पटवारीवार सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा करें। समय-सीमा की बैठक में एसडीएम एपी द्विवेदी, आरएन खरे, सुधीर बेक, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगड़े सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर ने कहा कि 23 अक्टूबर को रीवा में होने वाले इंडस्ट्रियल कन्क्लेव के लिए संबंधित विभाग अपनी पूरी तैयारी कर लें। कृषि, वन, उद्यानिकी, उद्योग एवं अन्य क्षेत्रों में जो भी नवाचार किये जा सकते हो, उस संबंध में प्रस्ताव तैयार करें। खनिज एवं अन्य औद्योगिक प्लांट की जानकारी लेते हुए अपर कलेक्टर ने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं में एक करोड रुपए से अधिक ऋण वाले नव उद्यमियों से भी संपर्क कर इंडस्ट्रियल कनक्लेव के संबंध में जानकारी दें। महाप्रबंधक उद्योग ने बताया कि मैहर जिले में 6 औद्योगिक प्लांट है। जिनके साथ सोमवार को बैठक ली जा रही है। अपर कलेक्टर ने कहा कि नक्शा विहीन ग्रामों के नक्शा बनाने के कार्य पर विशेष फोकस करें। रामपुर बघेलान, नागौद और बिरसिंहपुर तहसील में राजस्व से संबंधित अधिक शिकायतों के दृष्टिगत पटवारी हल्कावार समीक्षा भी करें। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में पाया गया कि पिछले सप्ताह की लंबित 13785 सीएम हेल्पलाइन की कुल शिकायतों में 1562 शिकायतों की वृद्धि होकर 15297 शिकायतें लंबित हो गई हैं। सभी विभाग प्राथमिकता से सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण करायें।

उपार्जन केन्द्र में अधिकृत आपरेटर ही पंजीयन का कार्य करेंगे

अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे ने कहा कि धान उपार्जन के लिए वर्ष 2024-25 के लिए किसानों के पंजीयन का कार्य निर्धारित उपार्जन के पंजीयन केन्द्रों पर किया जा रहा है। सभी पंजीयन केन्द्रों में सुनिश्चित करें कि अधिकृत किये गये कम्प्यूटर आपरेटर ही बैठकर पंजीयन का कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस मामले में शिकायत मिलने पर कडी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

मैहर कलेक्टर एवं एसपी ने मां शारदा मंदिर परिसर का निरीक्षण

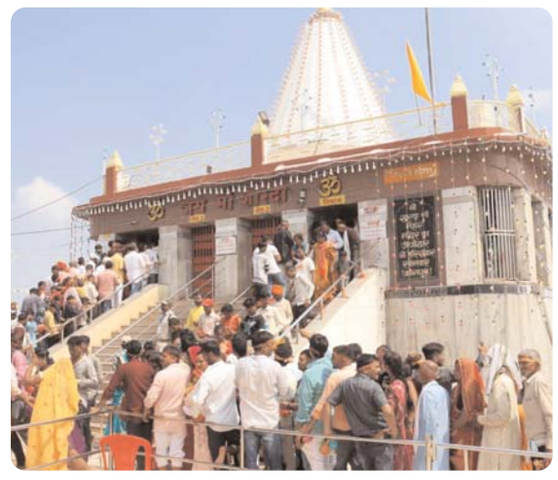

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड एवं पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल ने सोमवार को नवरात्रि मेला के पंचमी के दिन मां शारदा मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए दर्शनार्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, आरती यादव, डॉ. आरती सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल उपस्थित रहे। नवरात्रि की पंचमी तिथि में दोपहर 1 बजे तक 1 लाख 6 हजार 938 श्रृद्धालु मां शारदा देवी के दर्शन कर चुके थे।

विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर आज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम एवं कार्यपालन अभियंता द्वारा बताया गया कि जिले के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को जिनके द्वारा वितरण केन्द्र स्तर पर गलत विद्युत देयकों के सुधार अथवा मीटर आदि से संबंधित शिकायते की गई हो एवं उनका निराकरण लंम्बित हो। ऐसे उपभोक्ताओं के शिकायतो के निराकरण हेतु अध्यक्ष वृत्त स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के द्वारा शिविर का आयोजन 9 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे तक कार्यालय अधीक्षण अभियंता के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। जिसमें उपभोक्ता उपस्थित होकर लंम्बित शिकायतों के निराकरण हेतु अपना अभ्यावेदन 3 प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते है। उपभोक्ताओं के आवेदनों पर सुनवाई की जाकर प्रकरण को निराकृत किया जायेगा।

50वां उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह 8 से 10 अक्टूबर को स्टेडियम ग्राउंड मैहर में

प्रदेश व देश के लब्ध प्रतिष्ठित कलाकार अर्पित करेंगे स्वरांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी के संयोजन में जिला प्रशासन मैहर के सहयोग से 8 से 10 अक्टूबर, 2024 को स्टेडियम ग्राउंड, मैहर में किया जा रहा है। संचालक, संस्कृति श्री एन.पी. नामदेव ने बताया कि उस्ताद अलाउद्दीन खां देश ही, बल्कि दुनिया भर के संगीत जगत में प्रख्यात थे। उन्होंने मध्यप्रदेश में संगीत परम्परा को बढ़ाने और नई पीढ़ी को संगीत से जोड़ने के लिए अथक प्रयास किए। ऐसे महान संगीतज्ञ के आदर और सम्मान में मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग प्रतिवर्ष मैहर में उस्ताद अलाउद्दीन खां समारोह आयोजित करता है, जिसका इस वर्ष 50वां वर्ष है।

इस अवसर पर 7 अक्टूबर को जिला प्रशासन मैहर द्वारा समन्वित स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति होगी। समारोह का शुभारंभ 8 अक्टूबर को सायं 7:30 बजे मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य में होगा। कार्यक्र म की अध्यक्षता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी करेंगे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत मैहर वाद्य वृन्द द्वारा वाद्य वृन्द की प्रस्तुति दी जावेगी। इसके बाद सुश्री नयनिका घोष एवं साथी, गुरुग्राम द्वारा कथक समूह नृत्य की प्रस्तुति होगी। अगली प्रस्तुति श्री इन्द्रायूध मजूमदार, कोलकाता द्वारा सरोद वादन और अंतिम प्रस्तुति पं. राजन मिश्रा एवं स्वरांश मिश्रा, नई दिल्ली द्वारा युगल गायन की होगी।

समारोह के दूसरे दिन सायं 7 बजे से सर्वप्रथम विदुषी संचिता भट्टाचार्य, कोलकाता द्वारा ओडिसी समूह नृत्य की प्रस्तुति दी जावेगी। अगली प्रस्तुति श्री अंशुल प्रताप सिंह, भोपाल द्वारा तबला वादन की होगी। तत्पश्चात पं. अभय रुस्तम सोपोरी, दिल्ली द्वारा संतूर वादन और अंतिम प्रस्तुति पं. उदय कुमार मलिक, दिल्ली की गायन की होगी। तीसरे एवं अंतिम दिन सायं 7 बजे से सर्वप्रथम मैहर वाद्य वृन्द द्वारा वाद्य वृन्द की प्रस्तुति, इसके बाद विदुषी कस्तूरी पटनायक एवं साथी, दिल्ली द्वारा ओडिसी समूह नृत्य, तत्पश्चात सुश्री संजुक्ता दास, कोलकाता द्वारा गायन की प्रस्तुति दी जावेगी। अगले र म में पं. शशांक सुब्रमणियम, चेन्नई द्वारा बांसुरी वादन और अंतिम प्रस्तुति सुश्री भद्रा सिन्हा एवं साथी, नई दिल्ली द्वारा भरतनाट्यम की होगी। कार्यक्र म में प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

इस अवसर पर दो प्रदर्शनियां भी आयोजित की जा रही हैं, जिसके तहत ''देवी'' प्रदर्शनी के अंतर्गत 108 नाम रहस्यों पर आधारित लघु चित्रों की प्रदर्शनी और ''तंतु'' के अंतर्गत तार वाद्यों पर केन्द्रित प्रदर्शनी आयोजित होगी।

बीच सड़क पर युवक के साथ की मारपीट और अपहरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दिनदहाड़े एक व्यक्ति को भरे बाजार से अगवा कर लिया गया। मामला सोमवार शाम का है। पुलिस के मुताबिक कार और बाइक विपरीत दिशा से आ रही थी। इतने में दोनों की आपस में भिड़ंत हो गई, जिसके बाद कार चालक ने बाइक सवार की बीच सड़क जमकर धुनाई कर दी।

देखते ही देखते एक के बाद एक कई थप्पड़ जड़ दिए। 15 मिनट तक लगातार सड़क में आवागमन प्रभावित रहा। जिसके बाद कार चालक ने रौब दिखाते हुए बाइक सवार को जमकर गालियां दी। फिर बीच बाजार से जबरन उसका अपहरण कर उसे उठा ले गया। जिस गाड़ी से वारदात की गई।

इस दौरान बाइक सवार कार चालक के सामने गिड़गिड़ाता नजर आया। लेकिन मारपीट और उसे डरा-धमका कर कार चालक उसका अपहरण करने में कामयाब हो गया। कार चालक युवक बाइक सवार को कहां लेकर गया और बाइक सवार किस हालत में है। अब तक इस बात का पता नहीं लग पाया है। जिस वक्त यह घटना हो रही थी। उसी वक्त किसी ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जिसके बाद पूरा मामला प्रकाश में आया।

वीडियो में नजर आ रहा है कि बीच सड़क मारपीट और अपहरण करने वाले युवक को पुलिस प्रशासन का बिल्कुल भी डर नहीं है। शहर के बीचो-बीच हुई इस घटना के बाद कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

उधर, पूरे मामले मे एडिशनल एसपी अनिल सोनकर का कहना है कि एक कार चालक ने बाइक के साथ भिड़ंत होने के बाद बाइक सवार के साथ मारपीट की। उसे जबरन कार में बैठाकर अपने साथ ले गया। थाने में अब तक शिकायत नहीं मिली। लेकिन सिविल लाइन थाना प्रभारी कमलेश साहू और उनकी टीम पता तलाशी में जुटी हुई हैं। दोनों की जल्द पहचान कर ली जाएगी। मामले में जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत समारोह कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

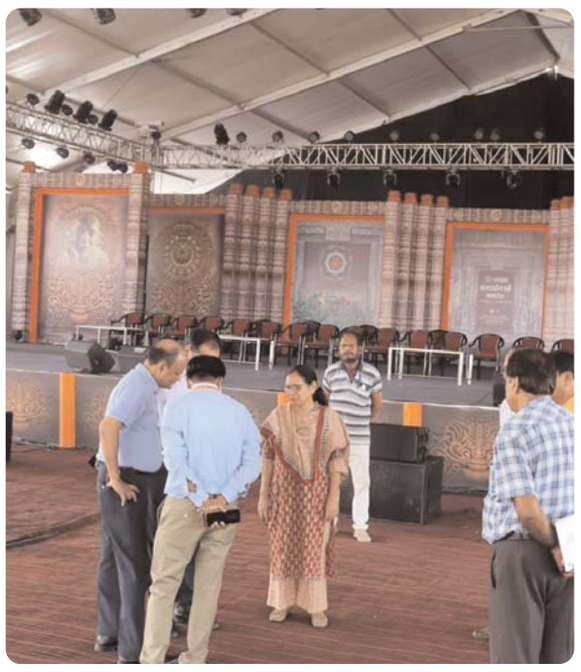

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर कलेक्टर रानी बाटड ने सोमवार को उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत समारोह कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कार्यक्र म के आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने रीजनल इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव की तैयारी बैठक में अधिकारियों को दिये निर्देश

सभी विभागीय अधिकारी अपनी विभागीय औपचारिकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आगामी 23 अक्टूबर को रीवा में आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव से पूर्व अपनी विभागीय औपचारिकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करायें। नवीन औद्योगिक क्षेत्रों में आवश्यक कार्यों की पूर्ति कराते हुए पुराने औद्योगिक क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास व उन्नयन के कार्य योजना अनुसार पूर्ण करायें।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में विभागीय अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने कहा कि उद्योगों को विभागों से जो आशाएँ व अपेक्षाएँ रहती हैं उनको नियमानुसार तत्परतापूर्वक निराकृत करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक केन्द्र चोरहटा में सबस्टेशन निर्माण, ट्रक पार्किंग स्थल तथा पार्क के निर्माण के लिए योजना अनुसार कार्यवाही करें तथा ड्रेनेज सिस्टम, स्ट्रीट लाइट तथा मीठे पानी की सप्लाई का कार्य प्रारंभ करायें। उन्होंने कहा कि औद्योगिक केन्द्र में स्थापित राइस मिलों से निकलने वाले बेस्ट को कवर्ड एरिया में सुरक्षित रखवायें ताकि इसके कारण अन्य दूसरे उद्योगों को नुकसान न हो। उन्होंने चोरहटा औद्योगिक केन्द्र में एसटीपी की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली से संबंधित शिकायतों को तत्परतापूर्वक निराकृत करायें। कलेक्टर ने कृषि से संबंधित उद्योग स्थापना के लिए क्लटर आधारित खेती के लिए किसानों को जागरूक करने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित एफपीओ के माध्यम से एग्रीगेट कृषि उत्पादन व कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग के प्रस्ताव तैयार करायें।

बैठक में एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक यू.के. तिवारी ने बताया कि रीजनल इंडस्ट्रियल कॉनक्लेव के लिए सीमावर्ती जिले उत्तरप्रदेश से भी उद्योगपतियों को रीवा जिले में उद्योग स्थापना के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास के कार्यों को पूरा कराते हुए उद्योग स्थापना के लिए उद्यमियों को आकर्षित किया जा रहा है। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे, संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय सहित विभागीय अधिकारी व औद्योगिक क्षेत्र चोरहटा के उद्यमी उपस्थित रहे।

"आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण" वैश्विक शिखर सम्मेलन का समापन समारोह

विकास से कल्याण के लिए समाज में मूल्यों को करना होगा विकसित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी से विकास की तेज राह में विश्व आगे बढ़ रहा है, इसे सही दिशा देकर मानव कल्याण से जोड़ने के लिए समाज में मूल्यों को विकसित करना होगा। विकास को वरदान बनाना है तो समाज में प्रेम, दया, करुणा, परोपकार और शांति की भावना को जागृत करना होगा। ब्रह्मकुमारी जैसे संस्थानों द्वारा जन-चेतना के लिए किये जा रहे कार्य सशक्त और समृद्ध भारत तथा वैश्विक खुशहाली के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल राजस्थान के माउंट आबू में प्रजापिता ब्राम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "आध्यात्मिकता द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज का निर्माण" वैश्विक शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित शिखर सम्मेलन के शुभारंभ सत्र में (4 अक्टूबर) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल हुई थीं।

प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में सपनों के भारत के निर्माण का चल रहा है महायज्ञ उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गौरवशाली नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। आज भारत विश्व की 5 वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। आगामी 5 वर्षों में हम तीसरी और वर्ष 2047 तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। व्यापक स्तर पर तेज गति से विकास हो रहा है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था ने विकास के द्वार खोले हैं। नागरिकों को सक्षम बनाने के लिये उच्च स्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। विकास की राह के हर पड़ाव में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सपनों के भारत के निर्माण का महायज्ञ चल रहा है। इस विकास को स्थायी बनाने के लिये मानव जाति का जागृत होना आवश्यक है, इस दिशा में भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और आध्यमिकता का पुनरुत्थान करना होगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद कहते थे 21 वीं सदी भारत की होगी। भारत विश्वगुरू होगा। वर्तमान वैश्विक पारिस्थितियों में भारत का नेतृत्व नितांत आवश्यक है। आर्थिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास पर भी कार्य करना होगा। विकसित, समृद्ध और खुशहाल विश्व के निर्माण के लिये भारत की "वसुधैव कुटुंबकम" की सोच पर सभी को चलना होगा। वैश्विक कल्याण के इस अहम दायित्व के निर्वहन के लिये आवश्यक है कि भारत का हर नागरिक सकारात्मक भूमिका निभाकर लोक-कल्याणकारी पुनीत यज्ञ में सहभागी बने।

अच्छा मनुष्य बनकर ही स्वयं, समाज और विश्व का कल्याण किया जा सकता है सुनिश्चित उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि श्रद्धेय अटल जी कहते थे "आज मानव ने आकाश में पकी तरह उड़ना सीख लिया है, मछली की तरह समुद्र में तैरना सीख लिया है लेकिन इंसान की तरह चलना नहीं सीख पाया।" उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि वैश्विक कल्याण के लिये मानव मूल्यों को जागृत करना होगा। समाज को तोड़ने वाली शक्तियाँ कार्य कर रही हैं, परंतु खुशी की बात है कि समाज को जोड़ने वाली, चिंतन करने वाली, वैश्विक कल्याण के भाव वाली संस्थाएँ और विचारक सतत कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज विश्व ब्राम्हाकुमारी जैसे संस्थानों को आशा भरी नजरों से देख रहा है। यह वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है आगामी पीढ़ी को भारत की समृद्ध संस्कृति और आध्यात्म से जोड़ने की दिशा में प्रयास करे। एक अच्छा मनुष्य बनकर ही स्वयं का, समाज का और विश्व का कल्याणकारी भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल को ब्राम्हाकुमारी संस्थान के प्रतिनिधियों ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। ब्राम्हाकुमारी के राजयोगी बृजमोहन, राजयोगिनी चन्द्रिका दीदी सहित 20 हजार से अधिक प्रतिभागी इस सम्मेलन में शामिल थे।

शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शक्ति अभिनंदन अभियान अंतर्गत 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक चलाये जा रहे कार्यक्रम मे अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया तथा आभियान के तहत विश्वविद्यालय रोड में विद्याशिल्प एफेडमी में बेटियों का पूजन किया गया। छात्राओं द्वारा महिला सुरक्षा के विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। विद्यालय की छात्राओं ने पेंटिंग बनाये जाने मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । बालिकाओं के माता-पिता के साथ जागरूकता अभियान के लिए बनाए गए सेल्फी पांइट में सेल्फी ली गई। कार्यक्रम के संयोजक स्वाति श्रीवारतव रही एवं कार्यक्रम का आयोजन शाईंनांजलि रामिति की अध्यक्ष अनुराधा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्याशिल्प एफेडमी के अतीशा श्रीवास्तव, क्षितिज शिवानी रेखा, रोजी मुण्ड, ज्योति रोन एवं इच्छा तिवारी ने सहयोग कार्यक्रम को सफल बनाने योगदान दिया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।